दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 11 जनवरी-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 23 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

मेरी रिस्क लेने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार किसी पॉडकास्ट में हिस्सा लिया है। जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामत ने पॉडकास्ट में उनसे बातचीत की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने अभी तक अपन जोखिम उठाने की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बताया कि उनके पास रिस्क लेने की क्षमता बहुत अधिक है। इसी के साथ उन्होंने उन्होंने एक किस्सा सुनाया। यह किस्सा उस समय का है जब पीएम मोदी आरएसएस में काम करते थे और गाड़ी चलाना सीख रहे थे। ढलान देखकर उन्होंने गाड़ी का इंजन बंद कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि ढलान में गाड़ी खुद ही नीचे चली जाएगी और इंजन बंद करने से पेट्रोल की बचट होगी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे ज्ञान नहीं था, गाड़ी असंतुलित होने लगी और तेजी से नीचे की जाने लगी। मैं ब्रेक लगाने लगा, लेकिन गाड़ी का इंजन बंद था। मेरे बगल वालों को भी मालूम नहीं चला कि मैंने क्या किया। उन्होंने आगे बताया कि अनुभवों से सिखने का मौका मिलता है। अनुभवों से ही जिंदगी सवरती है।

जब पीएम मोदी से यह सवाल किया गया कि उनके जीवन रिस्क लेने की क्षमता समय के साथ बढ़ रही है? इसका जवाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी अभी तक रिस्क लेने की क्षमता का भरपूर इस्तेमाल नहीं हो पाया है। बहुत कम हुआ है। रिस्क लेने की क्षमता बहुत अधिक है इसका कारण है। मुझे परवाह ही नहीं है। मैंने अपने लिए सोचा ही नहीं। जो अपने बारे में नहीं सोचा, उसके लिए रिस्क लेने की क्षमता बेहिसाब होती है।

कवि नगर में स्टील कारोबारी के घर हुई डकैती का तीन दिन में खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी नौकर चंदन, ओमप्रकाश व सुनील गिरफ्तार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाले सिटी जोन के कवि नगर थानाक्षेत्र में स्टील कारोबारी रामदास गुप्ता के घर हुई करोड़ों की डकैती के मामले का पुलिस ने केवल तीन दिन के अंदर खुलासा कर दिया है। इस मामले में थाना कवि नगर एसओजी ,नगर जोन टीम कमिश्नरेट द्वारा इस वारदात में लूट गया कैश, हीरे, सोने और चांदी के गहने बरामद करने का काम किया है। साथ ही मामले में मुख्य आरोपी नौकर चंदन कुमार उम्र 20 साल निवासी सुपौल बिहार, ओमप्रकाश और सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में डीसीपी सिटी, एसीपी कवि नगर और कवि नगर थाना पुलिस की टीम ने इस सनसनीखेज खुलासे को 40 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए भारी संख्या में रिकवरी भी की है। शुक्रवार को पुलिस लाइन में कार्यवाहक डीआईजी का पदभार संभाल रहे डीसीपी सिटी राजेश कुमार, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव ने डकैती के खुलासे को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

पुलिस ने बरामद किया लाखों का कैश, डायमंड, गोल्ड और चांदी के जेवरात

यह माल हुआ बरामद

करंट क्राइम : पुलिस ने इस मामले में बड़ी संख्या में बरामदगी की है। जिसमें एक धातु का सिक्का, एक घड़ी पेरासेल्स कंपनी की, 10 लाख 49 हजार 53 रुपए नगद बरामद किए हैं। वहीं चांदी के 133 सिक्के ,डायमंड के सात कड़े ,गोल्ड की चार घड़ी और एक चूड़ी एक ग्रीन मोतियों की माला, गोल्डन ब्राउन पीली माला, दो हीरे और गोल्ड के ब्रेसलेट, तीन रंग का मांग टीका, पीलीधातु तीन मोतियों की माला, सफेद धातु एक सेट, गले का सफेद धातु, दुकान का सहारा पीली धातु, एक नाग लाल रंग ,कान के टॉप्स, मोती की एक अंगूठी, चार बिछुआ, चांदी का एक बड़ा कटोरा, चांदी व अन्य कीमती सामान पुलिस ने बरामद करने का काम किया है।

दिल्ली से रोड़वेज बस में भागे थे डकैती के आरोपी, नौकर चंदन ने ही बनाया था पूरा प्लान

करंट क्राइम : डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार ने पत्रकार वार्ता में जानकारी दी है कि घटना में पुलिस ने चंदन कुमार जोकि गुप्ता परिवार का मुख्य नौकर था, उसे गिरफ्तार किया है। उसने ही पूरी घटना को अंजाम देने की प्लानिंग की थी। उसने अपने साथी ओम प्रकाश जो कि उसका साला है और सुनील कुमार को वारदात करने के लिए प्लानिंग में शामिल किया था। बताया जा रहा है इस मामले में एक फरार आरोपी की पुलिस तलाश में बिहार के कई इलाकों में दबिश दे रही है। उधर पुलिस के सूत्रों से जानकारी मिली है कि तीनों ने घटना को अंजाम देने के बाद पहले ऑटो से दिल्ली का सफर किया और फिर दिल्ली से रोडवेज की बस में यह लोग अयोध्या पहुंचे थे और वहां से सुनील गोंडा के लिए चला गया था। बताया जा रहा है कि आपस में तीनों ने बंटवारा किया था और फरार आरोपी के पास तीन से पांच लाख रुपये की रकम हो सकती है।

कमिश्नरेट के अधिकारियों ने तीन दिन तक किया खुलासे के लिए काम

करंट क्राइम। कवि नगर क्षेत्र में स्टील कारोबारी के घर पर हुई डकैती की घटना ने जहां कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे, तो वही पुलिसिंग को लेकर भी उनकी ही पार्टी के विधायक ने सवाल उठाए थे। पुलिस के अधिकारियों के लिए इस घटना का खुलासा किसी चैलेंज से कम नहीं था। तो वहीं अधिकारियों पर लखनऊ से भी प्रेशर होने की बात सामने आई है। हालांकि इस पूरे मामले में पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र, डीसीपी सिटी राजेश कुमार, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव और थाना प्रभारी कवि नगर योगेंद्र मलिक के साथ करीब डेढ़ दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों ने तीन दिन तक इस खुलासे के लिए कड़ी मेहनत की है। सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस ने 200 से ज्यादा कैमरों के साथ ही हजारों नंबरों पर भी जांच पड़ताल की। तो वहीं दिल्ली से लेकर अयोध्या, गोंडा, नेपाल और बिहार के कई रास्तों के टोल प्लाजा की भी जांच की गई थी ताकि बदमाशों तक पुलिस समय रहते पहुंच जाए। इस मामले में पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि अधिक से अधिक माल और कैश रिकवर किया जा सके। जिसमें पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारी लगभग शतप्रतिशत सफल हुए हैं।

चंदन ने ही चौकीदार को गार्ड रूम में किया था बंद

करंट क्राइम : एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव में जानकारी दी है कि जब मुख्य आरोपी चंदन से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वारदात वाली रात उसने ही चौकीदार को अपने सर्वेंट रूम में बंद किया था और बंधक बनाने का काम किया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए इसमें भारी मात्रा में सामान की बरामदगी की है। बताया जा रहा है की डकैती का प्लान चंदन ने अपने तीन साथी ओमप्रकाश सुनील और फरार चंदन के साथ बनाया था। सभी मजदूरी और घरों में नौकरी करने का काम करते हैं। नौकर चंदन को गुप्ता परिवार ने 13 हजार रुपये महीने के वेतन पर नौकरी पर रखा हुआ है। उसे घर पर ही रहने के लिए कमरा और खाना-पीना सब मिलता था।

सबसे बड़ी वारदात में बेहद तेज रहा पुलिस का खुलासा

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की सिटी जोन टीम ने कमिश्नरेट सिस्टम बनने के बाद अब तक की सबसे बड़ी वारदात का तेज गति से खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने शुरूआती जांच के बाद ही आरोपी नौकर चंदन की तलाश शुरू कर दी थी, जो मुख्य साजिश करता है और गुप्ता परिवार का नौकर था। इसके साथ ही पुलिस ने इस मामले में 40 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम भी किया है। घटना के खुलासे के लिए खुद डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव, थाना प्रभारी कवि नगर योगेंद्र मलिक उनकी क्राइम व एसओजी की टीम लगी हुई थी। इस खुलासे में चौकी प्रभारी कवि नगर रविराज, चौकी प्रभारी राजनगर सेक्टर-09 विनीत चौधरी और चिरंजीव विहार चौकी प्रभारी विकास की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। तो वहीं कवि नगर थाने की एसओजी टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने भी सर्विलांस से लेकर सीसीटीवी फुटेज को बेहद सटीक ढंग से खंगालने का काम किया।

इधर हुई डकैती की प्रेसवार्ता और उधर सीएम योगी तक पहुंचा दिया गया खुलासे का पैगाम

करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत करने और जीरो टॉलरेंस की नीति के लिए जाने जाते हैं। तो गाजियाबाद में डकैती की घटना सुर्खियों में छाई रही। वहीं शुक्रवार को जैसे ही पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की पुलिस लाइन में अधिकारियों द्वारा डकैती के खुलासे की आधिकारिक प्रेसवार्ता की गई, तो यह सूचना कुछ देर बाद ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गई कि इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने सफलतापूर्वक लूटा गया माल और रकम बरामद कर ली है। बता दें कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ से हिंडन एयर बेस आए थे और फिर दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे।

व्यापारी अतुल जैन ने खुलासे पर पुलिस को दिया धन्यवाद

करंट क्राइम : कवि नगर क्षेत्र में स्टील कारोबारी रामदास गुप्ता के घर हुई करोड़ों रुपए की डकैती के मामले का खुलासा होने पर व्यापारी नेता डॉ. अतुल कुमार जैन ने गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों और खुलासा करने वाली टीम में डीसीपी राजेश कुमार, एसीपी कवि नगर को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि इस घटना का पुलिस ने जितनी तेजी के साथ खुलासा किया वह प्रशंसनी है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में घटना होने के बाद पुलिस ने जिस तत्परता से खुलासा किया है, उसकी भी प्रशंसा होनी चाहिए। इस मौके पर उन्होंने व्यापारियों को धन्यवाद देते हुए उनकी प्रशंसा व सम्मान भी किया । इस मौके पर डॉ. अतुल कुमार जैन, जय कुमार गुप्ता, अमरीश जैन, सतीश बंसल, दीपक सिंघल, मोहनलाल अग्रवाल और कपिल जैन मुख्य रूप से शामिल रहे।

सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेहंदी वाले ने खुलासे पर पुलिस को कहा थैंक्स

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत स्टील कारोबारी के घर हुई करोड़ों की डकैती के मामले में पुलिस ने खुलासा किया तो पुलिस के अधिकारियों और पुलिस कमिश्नर को व्यापारियों और जनप्रतिनिधि ने भी धन्यवाद किया है। इस मामले में पुलिस द्वारा खुलासा किए जाने पर गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग के सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल मेहंदी वाला ने पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र, डीसीपी सिटी राजेश कुमार और एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव सहित खुलासा करने वाली टीम को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा पुलिस कमिश्नरेट की टीम की ही वजह से कमिश्नरेट में व्यापारी सुरक्षित हैं।

व्यापारियों ने किया पुलिस कमिश्नर का धन्यवाद

करंट क्राइम : कवि नगर क्षेत्र में स्टील कारोबारी बुजुर्ग दंपति के घर हुई सनसनीखेज डकैती के मामले का खुलासा करने पर पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र, पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव व कवि नगर की टीम को खुलासे के लिए धन्यवाद किया है। इस मामले में व्यापारियों ने कहा है कि पुलिस कमिश्नर ने त्वरित और प्रभारी कार्रवाई बेहद सराहनीय है। व्यापारियों ने शुक्रवार को पुलिस के अधिकारियों को बुके देते हुए धन्यवाद भी अदा किया है। धन्यवाद देने वालों में व्यापारी राकेश स्वामी वरिष्ठ उपाध्यक्ष महानगर उद्योग व्यापार मंडल, अध्यक्ष रमते राम रोड व्यापार मंडल, संजीव मित्तल उपाध्यक्ष महानगर उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली गेट शामिल रहे।

जितना काम 'आप' ने किया, उतना किसी ने नहीं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। यूपी-बिहार के लोगों का फर्जी वोट बनवाकर दिल्ली विधानसभा में जुड़वाया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल के इस बयान के बाद दिल्ली में भाजपा का विरोध-प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को भी भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करते दिखे। भाजपा के धरना-प्रदर्शन पर अरविंद केजरीवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि यूपी-बिहार और पूर्वांचलियों के लिए जितना काम हमने किया, उतना किसी ने नहीं किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि भाजपा का काम सिर्फ मुझे गाली देना और धरना-प्रदर्शन करना है, इसलिए मैं अपने घर के बाहर परमानेंट टेंट लगवा देता हूं, ताकि भाजपा के लोग रोजाना वहां बैठें और बस बैनर बदल लें कि आज किस मुद्दे पर धरना देना है। उन्होंने कहा है कि इनके जैसे झूठे लोग नहीं हैं। गुरुवार को मैं इलेक्शन कमीशन किसलिए गया था, इलेक्शन कमीशन से यह शिकायत करने कि रोहिंग्या का बहाना बनाकर

पूरी दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी पूर्वांचलियों और दलितों के वोट कटवा रही है। यह खुद ही जेपी नड्डा साहब ने संसद के अंदर कबूल किया था कि हम पूर्वांचल और दलितों के वोट कटवा रहे हैं। मैं उसी की शिकायत करने के लिए गया था। उन्होंने कहा कि जितना काम आम आदमी पार्टी ने पूर्वांचल समाज के लिए किया है, आप देख लो। इलेक्शन में पूर्वांचल के लोगों को जितनी टिकट देते हैं, ये किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल से जितने लोग आते हैं, वह कच्ची कॉलोनी में रहते हैं। कच्ची कॉलोनी के अंदर 2014 के पहले जीना मुश्किल था। नरक की जिंदगी थी। कीचड़ रहता था। कोई विकास नहीं था। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक वहां विकास नहीं हो सकता था। कच्ची कॉलोनी में 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग पूर्वांचली रहते हैं। मैं भारतीय जनता पार्टी से पूछना चाहता हूं कि 10 साल के अंदर आपने कच्ची कॉलोनी के लिए क्या किया। केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार ने पूरी दिल्ली में सड़कें बनवाई, गलियां बनवाई, सीसीटीवी कैमरे लगवाए, नालियां बनवाई, सीवर के कनेक्शन दिए, पानी की पाइपलाइन डलवाई, अस्पताल बनवाए, मोहल्ला क्लीनिक बनवाया, स्कूल बनवाए। उनको इज्जत और सम्मान की जिंदगी दी है। आज जिन कच्ची कॉलोनी में 3,000 गज का रेट था 2015 में, आज वहां एक लाख रुपए ऊपर गज का रेट है।

बदमाशों ने शिक्षक दंपती की बेटी को बंधक बनाकर की वारदात

मेरठ। मेरठ में बदमाशों ने फिर बड़ी लूट को अंजाम दिया है। यहां शिक्षक दंपती की बेटी को बंधक बनाकर वारदात की गई है। बदमाश नए घर के कागजात भी अपने साथ ले गए हैं। मेरठ में बदमाशों ने दिनदहाड़े पॉश कॉलोनी में बड़ी लूट को अंजाम दिया है।

यहां टीचर दंपती के मकान में नकाबपोश बदमाश घुसे और परिजनों को बंधक बनाकर लाखों रुपये की नगदी और जेवरात लेकर फरार हो गए। बताया गया कि बदमाश नए घर के कागजात भी अपने साथ ले गए। जानकारी के अनुसार मेडिकल थानाक्षेत्र के शिवलोक कॉलोनी में शिक्षक रविंद्र अग्रवाल पुत्र हेमचंद मोदीनगर में शिक्षक हैं। वह पत्नी वंदना के साथ रहते हैं।

वंदना शास्त्रीनगर के डीएवी स्कूल में टीचर हैं। उनकी बेटी अनन्या(15) एमपीजीएस में कक्षा 10 की छात्रा है। बताया गया कि छात्रा घर पर अकेली थी इसी दौरान सुबह के समय दो बदमाश संदली लेने के बहाने शिक्षक के घर पहुंचे। बेटी अनन्या ने दरवाजा खोला तो बदमाशों ने उसे धक्का देकर अंदर धकेल दिया और बंधक बना लिया।

विकसित भारत युवा नेता संवाद-2025 का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में शामिल करना है : पीएम मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने विकसित भारत युवा नेता संवाद-2025 से संबंधित एक लेख लिखा है। उनके इस लेख पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को एक्स अकाउंट पर लेख शेयर किया। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 के बारे में लिखे गए एक लेख पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मनसुख मांडविया ने भारत के राष्ट्रीय युवा महोत्सव को 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' के रूप में पुनर्परिकल्पित करने के बारे में लिखा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में शामिल करना है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भी आर्टिकल को अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया था। उन्होंने कहा, ₹विकसित भारत के

लिए युवा-शक्ति को सशक्त बनाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित भारत युवा नेता संवाद युवा नेताओं को राष्ट्र निर्माण के लिए अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में से भारत मंडपम, नई दिल्ली में विकसित भारत युवा नेता संवाद (यंग लीडर्स डायलॉग) का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 जनवरी तक चलेगा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत के लिए अभिनव समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक अनूठा मंच उपलब्ध कराना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को एक विशेष रूप से तैयार की गई कॉफी टेबल बुक का उद्घाटन करेंगे, जो दस चिह्नित विषयों में से प्रत्येक से सर्वश्रेष्ठ निबंधों का संकलन होगा। इसके अंतिम दिन पीएम मोदी सभा को संबोधित करेंगे और युवाओं को विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।

कुंभ के विकास का प्रमाणिक दस्तावेज है कला कुंभ : सीएम योगी

महाकुंभ नगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेक्टर 7 में तैयार किए गए कला कुंभ का शुभारंभ किया। यूपी स्टेट पवेलियन का शुभारंभ करने के बाद सीएम योगी ठीक सामने बने कला कुंभ पहुंचे और उन्होंने उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा निर्मित इस अनूठे शिविर का अवलोकन किया। परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक झांकियों के बीच सीएम योगी ने फीता काटकर परिसर का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हॉल में मौजूद कलाकृतियों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की, जबकि श्रीडी के माध्यम से कला कुंभ से संबंधित वीडियो भी देखा। यहां से मुख्यमंत्री सीधे प्रदर्शनी हॉल में गए, जहां उन्होंने सजाई

गई अनूठी कलाकृतियों, विभिन्न मंदिरों की रेप्लिका और प्रदर्शनी को सराहा। उन्होंने कला कुंभ को कुंभ के विकास का प्रमाणिक दस्तावेज करार दिया। इस दौरान प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम ने उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कला कुंभ में उत्तर प्रदेश की कला, संस्कृति, पुरातत्व के साथ ही कुंभ आयोजनों से संबंधित अभिलेखों की अनूठी प्रदर्शनी लगाई गई है। मेला क्षेत्र में लगभग 5 एकड़ क्षेत्रफल में लगे कला कुंभ में प्रदर्शनी स्थल के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मंच भी सजाया गया है। प्रदर्शनी गैलरी में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की यात्रा, उत्तर प्रदेश के स्मारक, पुरातत्व विभाग के संरक्षित स्मारक, पांडुलिपि और स्मृतियों से संबंधित चित्र, अनुकृति और प्रतिकृति प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को पुरातात्विक और अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ प्रदर्शित किया गया है। यहां कुम्भ के आयोजनों, पौराणिक और ऐतिहासिक ग्रंथों में इससे संबंधित उल्लेख समेत सभी तरह के दस्तावेज, चित्र, लिखित सामग्री और जानकारियों की अनुकृति प्रदर्शित है।

कला कुंभ में सबसे अनूठी प्रदर्शनी है महाकुंभ के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर आधारित दस्तावेजों की प्रदर्शनी। प्रदर्शनी के आठवें खंड में महाकुंभ का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य नाम से प्रदर्शनी में 1866 से 1954 के कालखंड की प्रयागराज में आयोजित सभी कुंभ से संबंधित प्रशासनिक अंतर्दृष्टि को सरकारी पत्रों, अभिलेखों और दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इस खंड में रिपोर्ट, पत्र, प्रशासनिक आदेश आदि शामिल हैं। इस खंड में कुम्भ से जुड़ी पिछले 150 वर्षों की जानकारियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रत्येक कुम्भ के अवसर पर अधिकारियों द्वारा उठाए गए व्यवस्थागत कदमों, बुनियादी ढांचों के सुधार, सुरक्षात्मक और आर्थिक उपायों पर प्रामाणिक दस्तावेजी जानकारी प्रदर्शित है।

पीआरटीसी और ट्रॉली में टक्कर, कंडक्टर की मौत 15 जख्मी, घायलों को लेने आई एंबुलेंस भी टकराई

पंजाब। पंजाब में घनी धुंध की वजह से लोग काल का ग्रास बन रहे हैं। संगरूर में धुंध की वजह से पीआरटीसी बस और ट्रैक्टर ट्रॉली में जबरदस्त टक्कर हो गई, जिसमें बस कंडक्टर की मौत हो गई। पंजाब में घनी धुंध वाहन सवारों के लिए काल बन रही है। शुक्रवार को पंजाब के अलग-अलग जिलों में सड़क हादसे हुए हैं। बरनाला में एक साथ पांच गाड़ियों में जबरदस्त टक्कर हुई। हादसे में एक युवती की मौत हो गई। अबोहर में पीआरटीसी बस ने एक महिला को कुचल दिया, जिससे पांच बेटियों की मां की जान चली गई। जालंधर में भी बसों में भिड़ंत हुई है। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं।

वहीं संगरूर में भी धुंध की वजह से पीआरटीसी बस और ट्रैक्टर ट्रॉली में जबरदस्त टक्कर हो गई, जिसमें बस कंडक्टर की मौत हो गई। धुंध की वजह से लोग काल का ग्रास बन रहे हैं। वाहन चालकों से अपील है कि संभलकर

वाहन चलाएं। क्योंकि घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम होने की वजह से हादसों का खतरा बढ़ गया है। शुक्रवार सुबह घनी धुंध के कारण संगरूर-बठिंडा मुख्य मार्ग पर मस्तुआना साहिब के पास पीआरटीसी की बस और इंटरलाकिंग टाइल्स से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिससे बस कंडक्टर की जान चली गई। वहीं इस हादसे में करीब पंद्रह लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए संगरूर सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जानकारी मुताबिक सुबह करीब साढ़े आठ बजे पीआरटीसी की चंडीगढ़ डिपो की बस संगरूर से बठिंडा के लिए रवाना हुई। जैसे ही बस मस्तुआना और गांव बहादरपुर के बीच पहुंची तो इंटरलाकिंग टाइलों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस कंडक्टर रमनदीप सिंह (32) निवासी मलोट की मौत हो गई।

घायलों को लेने आई एंबुलेंस भी हादसे का शिकार

घटनास्थल पर घायलों को लेकर जाने के लिए पहुंची एंबुलेंस को किसी अन्य वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एंबुलेंस चालक लवप्रीत सिंह और उसके साथ बैठा युवक बलकार सिंह घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ये लोग हुए घायल

बस हादसे में बशीर खान (29) निवासी कांझली, 60 वर्षीय अंजू निवासी संगरूर, 66 वर्षीय निर्मला देवी निवासी संगरूर, शंकुतला निवासी अंबाला, 24 वर्षीय युवक प्रदीप, 45 वर्षीय महिला रानी निवासी संगरूर, 45 वर्षीय मनदीप कौर निवासी धनौला, निवासी सोहियां खुर्द घायल हो गए। सभी को सिविल अस्पताल संगरूर में भर्ती करवाया गया है।

चार लाख रुपये लेकर मंडल अध्यक्ष बनाने का आरोप, भाजपा कार्यालय में जमकर हंगामा

लखनऊ। अंबेडकरनगर के भाजपा कार्यालय पर कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव में गड़बड़ी हुई और पैसे लेकर पद दिए गए हैं। भाजपा कार्यकताओं ने मंडल अध्यक्ष के चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर जिला कार्यालय पर जमकर हंगामा किया।

कार्यकताओं और नेताओं ने कार्यालय का गेट बंद कर जिलाध्यक्ष और चुनाव अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि चुनाव में अपने करीबी लोगों को पैसा लेकर मंडल अध्यक्ष पद दिया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष की गुरुवार देर शाम लिस्ट आयी। लिस्ट आने के कुछ ही देर बाद कार्यकताओं द्वारा सोशल मीडिया पर इसको लेकर आपत्ति दर्ज कराना शुरू कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह से ही कार्यकर्ताओ ने भाजपा जिला कार्यालय पर हंगामा करना शुरू दिया। कार्यकताओं के हंगामा को देखते हुए सीओ सदर देवेंद्र मौर्या

सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल भाजपा कार्यालय पर पहुंच गए।

भाजपा कार्यकताओं ने आरोप लगाया की मंडल अध्यक्ष के चुनाव में नियम तोड़कर भारी गड़बड़ी कर अपने लोगो को मंडल अध्यक्ष बना दिया गया। जलालपुर नगर के पूर्व नगर अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने बताया कि वह मंडल अध्यक्ष का चुनाव लड़े थे उनके साथ सभी बूथ अध्यक्ष थे लेकिन उनके स्थान पर दूसरे को मंडल अध्यक्ष बना दिया गया।

हंसवर मंडल की महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष ज्योति सिंह ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी ने चार लाख रुपए लेकर उस व्यक्ति को मंडल अध्यक्ष बना दिया जो भाजपा का अभी जल्दी सक्रिय सदस्य बना है और जो गोकसी का काम करता है। इसी तरह नेवादा मंडल के कार्यकताओं ने जिला चुनाव अधिकारी पर चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। भाजपा जिला अध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी ने कहा कि चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हुई है। कार्यकर्ता हैं कभी-कभी आक्रोश में कुछ भी बोल देते है।

गणतंत्र दिवस समारोह, वीर गाथा का हिस्सा बने देशभर के 1.76 करोड़ छात्र

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय ने 'वीर गाथा' की संयुक्त पहल की है। इसके चौथे संस्करण में इस वर्ष, लगभग 2.31 लाख स्कूलों के लगभग 1.76 करोड़ छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया है। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर सौ (100) विजेताओं का चयन किया जाना है। इन्हें विशेष अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। 'प्रोजेक्ट वीर गाथा' को 2021 में भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। इस परियोजना का उद्देश्य वीरता पुरस्कार विजेताओं के बहादुरी भरे कार्यों और इन नायकों की जीवन से जुड़ी कहानियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह पहल छात्रों में देशभक्ति और नागरिक मूल्यों को स्थापित करने में मदद करती है। शीर्ष 100 प्रविष्टियों को 'सुपर-100' विजेताओं के रूप में चुना गया। इन विजेताओं को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और विशेष अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखने का अवसर मिलेगा। 100 राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं के अतिरिक्त, राज्य स्तर पर आठ विजेताओं और जिला स्तर पर चार विजेताओं का चयन किया जाएगा।

बागी उम्मीदवारों पर कांग्रेस की सख्ती पार्टी से छह साल के लिए किया निष्कासित

देहरादून। रुड़की में मेयर पद के खिलाफ अपनी पत्नी को बागी के रूप में चुनाव लड़ा रहे पूर्व मेयर यशपाल राणा, रुद्रप्रयाग से बागी उम्मीदवार संतोष रावत समेत कई बागियों को पार्टी से हटाया गया है।

उत्तराखंड में निकाय चुनाव को लेकर बागी नेताओं पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सख्ती बरती है। कमेटी ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले कांग्रेसजनों व पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पार्टी नेताओं को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के सोशल मीडिया सलाहकार अमरजीत सिंह ने बताया कि रुड़की में मेयर पद के खिलाफ अपनी पत्नी को बागी के रूप में चुनाव लड़ा रहे पूर्व मेयर यशपाल राणा, रुद्रप्रयाग से बागी उम्मीदवार संतोष

रावत, ऊखीमठ से बागी उम्मीदवार कुब्जा धर्मवाण, नगर पालिका बागेश्वर से बागी कवि जोशी, कोटद्वार में बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष महेन्द्र पाल सिंह रावत, ऋषिकेश नगर निगम में बागी उम्मीदवार दिनेशचन्द मास्टर और महेन्द्र सिंह, चमोली जनपद के गौचर से बागी उम्मीदवार सुनील पंवार, कर्णप्रयाग से गजपाल लाल सैनी, अनिल कुमार व अनीता देवी, गैरसैंण से पुष्कर सिंह रावत, पीपलकोटी से आरती नवानी, टिहरी के नगर पालिका चंबा से बागी प्रीति पंवार, घनसाली से विनोद लाल शाह और नगर पालिका टिहरी से भगत सिह नेगी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। सभी को पार्टी से छह साल के लिए निष्कसित किया है।

बताया कि इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने पिथौरागढ़ विधायक मयूख महर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए केंद्रीय नेतृत्व से आग्रह किया गया है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ऋषेन्द्र महर को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने के लिए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संस्तुति की गई है। करन माहरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक अनुशासित संगठन है। समें यदि अनुशासनहीनता होती है तो उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मौलाना शहाबुद्दीन ने की अपील 'महाकुंभ में आने वालों पर पुष्पवर्षा करें प्रयागराज के मुसलमान'

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने महाकुंभ में पहुंचे साधु-संतों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही प्रयागराज के मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि जिन मुस्लिम मोहल्लों और गांवों से श्रद्धालु गुजरे उन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत करें। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने प्रयागराज महाकुंभ मेले को लेकर सौहार्द का संदेश दिया है। मौलाना ने महाकुंभ में आए हुए सभी साधु-संतों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। कहा कि महाकुंभ का मेला अमन व शांति के साथ संपन्न हो।

मुसलमानों से की ये अपील

शहाबुद्दीन ने प्रयागराज के तमाम मुसलमानों से अपील करते हुए कहा कि जिन मुस्लिम मोहल्लों और गांवों से श्रद्धालु गुजरे उन पर पुष्प वर्षा कर स्वागत करें ताकि सद्भाव और प्रेम का पैगाम जाएं। क्योंकि इस्लाम रवादारी और भाईचारे का मजहब

है। पैगंबर-ए-इस्लाम ने प्यार और मोहब्बत की शिक्षा दी है। मौलाना ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं। उन्होंने करोड़ों श्रद्धालुओं के रहने और खानपान की शानदार व्यवस्था कराई है।

वक्फ पर सीएम योगी के बयान का समर्थक

मौलाना ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने वक्फ बोर्ड के संबंध में जो बात कही है उसका मैं समर्थन करता हूं। अफसोसनाक पहलू ये है कि वक्फ बोर्ड पर काबिज लोगों ने करोड़ों की संपत्तियों को कौड़ियों के भाव खुर्दबुर्द किया। हमारे बुजुर्गे ने जमीनों जायदाद इसलिए वक्फ की थी कि गरीब, कमजोर, लाचार, मुसलमानों की मदद की जाएगी। जनकल्याण के काम होंगे। मगर ये सब कुछ न होकर वक्फ बोर्ड के लोगों ने भू माफिया से मिलकर गरीब मुसलमानों का सपना चूर-चूर कर दिया।

यहां बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा था कि वक्फ के नाम पर जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। एक-एक इंच जमीन वापस ली जाएगी। इसी मामले में अब वक्फ संपत्तियों के बारे में पड़ताल होने के आसार हैं।

आईएमएस बीएचयू में बेड रिजर्व, विशेषज्ञों की टीम भी तैयार, अलर्ट मोड पर रहेंगे विभाग

वाराणसी। एचएमपीवी का पहला केस लखनऊ में मिलने के बाद वाराणसी में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। इसे लेकर आईएमएस बीएचयू में बेड रिजर्व रखे गए हैं। वहीं निदेशक ने बैठक कर रणनीति भी बनाई। लखनऊ में एचएमपीवी का केस मिलने के बाद अब स्थानीय स्तर पर सतर्कता बढ़ा दी गई। आईएमएस बीएचयू में बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। विशेषज्ञों की टीम भी बना दी गई है। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य विभाग पैथोलॉजी जांच, इलाज, ऑक्सीजन की सुविधाओं की निगरानी करने में जुट गया है। आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को कई अहम फैसले लिए गए। इसमें बेड रिजर्व रखने, जरूरत पड़ने पर जांच, इलाज की व्यवस्था करने के साथ ही निगरानी के लिए डॉक्टरों को जिम्मेदारियां भी दी गईं।

निदेशक ने बताया कि बीएचयू में 20 बेड का अलग वार्ड बनाया गया है। जरूरत पड़ने पर बेड बढ़ाए जाएंगे। अगर कोई मरीज संक्रमित होता है तो उसको भर्ती करने, जांच, इलाज, दवा आदि की व्यवस्थाएं रहेंगी। विशेषज्ञों की टीम हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

अलर्ट पर विभाग, नहीं होगी परेशानी

निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि बाल रोग विभाग, मेडिसिन विभाग, नेफ्रोलॉजी, टीबी एंड चेस्ट डिपार्टमेंट, हृदय रोग विभाग सहित अन्य विभागों को अलर्ट किया गया है। वायरस की जांच, इलाज, भर्ती सहित अन्य व्यवस्थाओं के समन्वय के लिए चिकित्सा अधीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डिप्टी एमएस प्रो. अंकुर सिंह, मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एलपी मीना भी निगरानी रखेंगे। किसी तरह के सैंपल कलेक्शन, लैब में जांच के लिए प्रो. गोपालनाथ और प्रो. रोयाना सिंह को जिम्मेदारी दी गई है।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शनिवार 11 जनवरी -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

आज महानगर अध्यक्ष के नाम पर लगनी है जनप्रतिनिधि सहमति वाली मुहर

अगर नहीं बनी सहमति तो फिर बन जाएगा सीन ऑफ तीन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। महानगर अध्यक्ष पद के लिये 62 दावेदार मैदान में आ गए। महानगर वाले पदाधिकारी आ गए, मंडल वाले पदाधिकारी आ गए। सक्रिय भी आ गए और घर बैठे लोग भी आ गए। नदिया पार से भी आए और लाइन पार से भी आए। बहरहाल अब गेम पूरी तरह उलझा हुआ है और देखना यही है कि इन 62 नामों में सीरियस नाम कितने हैं। यहां पर काबिल दावेदारों की संख्या का आंकलन हो रहा है और ये कंपटीशन हार्ड होने जा रहा है क्योंकि बताया जाता है कि यहां दस चेहरे ऐसे हैं जो अनुभव, सक्रियता, समर्पन में एक-दूसरे पर भारी पड़ रहे हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि इनमें से हर चेहरा जनप्रतिनिधियों के दिल और दिमाग में है। ऐसे में किसे फाइनल किया जाए ये एक कठिन सवाल हो चला है। गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि भी इस समय मेरिट के आधार पर आंकलन कर रहे हैं और मेरिट में भी कंपटीशन इतना है कि सीरियस दावेदार सारे मानकों पर सौ टका खरा उतर रहे हैं। अब यहां सीन ये है कि अगर किसी एक के नाम पर कोई जनप्रतिनिधि बात रखता है तो दूसरे का दावा होता है कि यह खूबी तो इस नाम में भी है और इसमें क्या दिक्कत है। इसके बाद तीसरे जनप्रतिनिधि की आवाज आती है कि खूबियों की बात है तो फिर इस नाम में क्या दिक्कत है।

बहरहाल आज 11 जनवरी है और जनप्रतिनिधियों को आम सहमति वाला नाम फाइनल करना है। अगर आम सहमति नहीं बनी तो फिर सीन तीन वाला हो जाएगा यानी जनप्रतिनिधियों को अपनी-अपनी पसंद के तीन नाम पैनल में भेजने हैं।

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के आवास की लोकेशन हो सकती है मीटिंग स्थल

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि भगवा गढ़ा के जनप्रतिनिधि आज अध्यक्ष पद के लिये आम सहमति बनाने के लिये बैठेंगे। ये लोकेशन कविनगर में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के आवास की हो सकती है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग के आवास पर महानगर अध्यक्ष वाले नाम को फाइनल करने के लिये जनप्रतिनिधियों की बैठक हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि यहां सहमति का प्रयास होगा।

अगर सबने दिये तीन फेस तो जाएगा गुटबाजी का संदेश

करंट क्राइम। इस बार संगठन ने अध्यक्ष वाली बॉल जनप्रतिनिधियों के पाले में फेंक दी है। जनप्रतिनिधियों पर छोड़ दिया है कि वह मिलकर बैठे और कौन बनेगा अध्यक्ष वाले नाम पर सहमति बना लें। सहमति बनती नहीं दिखाई दे रही। अब यहां ये भी चर्चा है कि अगर तीन-तीन नामों का पैनल गया तो जनप्रतिनिधियों के बीच गुटबाजी का संदेश जाएगा। लिहाजा ऐसे में यहां सहमति वाला पेंच फंसेगा। क्योंकि एक नाम तय करने में समस्या है और इतनी आसानी से एक नाम पर सहमति बनती दिखाई नहीं दे रही।

जब खिंच गया है पाला तो फिर नाम भी जाएगा मेरे वाला

करंट क्राइम। समन्वय के लिये बैठेंगे, लेकिन सूत्र ये बताते हैं कि यहां पाला कहीं ना कहीं खिंच गया है। पूरा गेम जनप्रतिनिधियों के हाथ में है और चर्चा में सीरियस नाम भी आ रहे हैं। जिन्हें इस दौड़ का गंभीर नाम माना जा रहा है उनमें मानसिंह गोस्वामी, प्रेम त्यागी, मयंक गोयल, पवन गोयल, पप्पू पहलवान, बोबी त्यागी, राजेश त्यागी और गोपाल अग्रवाल के नाम शामिल हैं। चर्चा इन्हीं नामों को लेकर चल रही है और यही चर्चा है कि यदि देर रात तक भी मीटिंग में इनमें से किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी तो फिर सब अपने-अपने तीन-तीन नाम भेजेंगे। सीन यही है कि जब खिंच ही गया है पाला तो फिर नाम भी जाएगा मेरे वाला। दो पावर सेंटर के बीच ये मुकाबला है। एक पावर सेंटर मंडल अध्यक्षों वाली लिस्ट में अपनी ताकत का मुलाहिजा कर चुका है और अब दूसरे पावर सेंटर को अध्यक्ष वाली कुर्सी पर अपनी ताकत दिखानी है। किसकी कितनी चलेगा ये आज पता चल जाएगा।

कहीं एज फैक्टर पर फंसा है पेंच तो कहीं वनवास वाला आ गया है केस

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि यहां सांसद के नाम अलग हैं और विधायकों के नाम अलग। जिस तरह से मंडल अध्यक्षों में विधायकों का दखल रहा है उससे ये माना जा रहा है कि महानगर अध्यक्ष में भी विधायकों की राय को महत्व दिया जाएगा। वहीं बताया ये जाता है कि जनप्रतिनिधियों की लिस्ट में कुछ नामें की एंट्री हुई और इसे लेकर सीन दो फाड़ वाला हो गया है। एक चेहरे को लेकर एज फैक्टर का पेंच फंसा है। लिहाजा उस पर चर्चा नहीं होगी तो फिर यहां एक नाम दूसरे खेमे से है और ये कहा गया जो एक दशक से वनवास पर है उनका प्रस्ताव क्यों लाया गया है। एक नाम तय करने में समस्या है और बताया ये भी जाता है कि यहां ब्राह्मण और ठाकुर फैक्टर कमजोर दिख रहाहै और यहां मुख्य मुकाबले में वैश्य, त्यागी और ओबीसी चेहरों के बीच में गेम फंसेगा।

लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की वर्किंग चल रही है एक दम राइट

जल्दी ही शुरू होने वाली है हिंडन एयरपोर्ट से फ्लाइट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वर्ष 2019 में हिंडन एयरबेस के पास स्थित सिकंदरपुर गांव की जमीन पर डोमेस्टिक एयरपोर्ट की स्थापना हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने आए। उसी दिन शहीद स्थल से मेट्रो सेवा शुरू हुई और उसी दिन हिंडन एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ।

मेट्रो तो चलती दिखाई दी, लेकिन यहां से हवाई जहाज उड़ता किसी को दिखाई नहीं दिया। पांच साल में पांच फ्लाइट भी नहीं उड़ सकी। इसके बाद यहां सांसद भी बदल गए। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने इस मामले में जब पत्राचार किया तो पता चला कि यहां कुछ कानूनी अड़चन है और फिर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने आरोप लगाया कि इस एयरपोर्ट से प्रतिवर्ष कई करोड़ की हानि सरकार को हो रही है। वो इस एयरपोर्ट सलाहकार समिति के पदेन अध्यक्ष भी हैं। हाल ही में उन्होंने तीन सदस्यों को भी नामित किया था और अब अतुल गर्ग ने प्रेसनोट जारी किया और कहा कि हिंडन एयरपोर्ट गाजियाबाद से जनता के लिये बहुत जल्द फ्लाइट शुरू होगी। शुक्रवार को लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने प्रेसनोट जारी कर कहा कि मैं जनता को इस पत्र के माध्यम से खुशखबरी दे रहा हूं। उन्होंने पिछले साल 26 नवंबर को उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू से मुलाकात का जिक्र किया और लिखा कि उनसे मिलने के बाद उनके प्रयासों से सभी कानूनी अड़चनें समाप्त हो चुकी हैं। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की वर्किंग राइट चल रही है और उन्होंने ये कहा कि मैं खुद भी एयर इंडिया एक्सप्रेस के संपर्क में हूं। इस संबंध में मेरी वार्ता एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट नेटवर्क प्लानिंग शशि चेतिया से हुई है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने अपने पत्र में कहा कि उन्हें यह बताया गया है कि बहुत जल्द हिंडन एयरपोर्ट से अन्य शहरों के लिये फ्लाइट शुरू की जा सकती है। अब यहां सरकारी निर्देश आने हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस कंपनी ने सरकारी निर्देशों के लिये लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से अपेक्षा की है और अतुल गर्ग ने कहा कि मैं इसके लिये प्रयासरत हूं। उन्होंने कहा कि अब इस अभियान के लिये गाजियाबाद की सभी जनता के आशीर्वाद की आवश्यकता है।

क्यों थी कैबिनेट मंत्री को ये चिंता कि इन सबके भरे जाएं फार्म!

तभी मंत्री जी ने किया था इनके लिये प्रस्तावक और अनुमोदक का इंतजाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा पहले ही ये कह चुके हैं कि वो जिसके साथ रहते हैं दिल से रहते हैं और जिसके खिलाफ रहते हैं तो खिलाफत भी दिल से करते हैं। वो अपने नामों के लिये कितने कामों को कर सकते हैं इसका मुलाहिजा उन्होंने मंडल वाली सूची में किया, जब अपनी विधानसभा के सारे मंडलों पर वो अपने नामों पर ओके रिपोर्ट लिखाकर लाए। अब जब मामला अध्यक्ष वाला है तो यहां भी सुनील शर्मा इस पद की गंभीरता को भी समझ रहे हैं और इस गेम में सीरियस खिलाड़ियों की एंट्री भी करा रहे हैं। भगवा गढ़ में अध्यक्ष पद के गंभीर दावेदारों के लिये कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने प्रस्तावक और अनुमोदक का इंतजाम किया। उन्हें एक तरह से चुनावी रण में लड़ने के लिये कवच और कुंडल प्रदान किये। बताते हैं कि यहां गंभीर दावेदारों के मानक में उन्होंने कार्यकर्ता की वरिष्ठता, सक्रियता और समर्पण पर गौर किया और फार्म भरने के लिये

प्रस्तावक और अनुमोदक कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने उपलब्ध कराए। बताया जाता है कि मयंक गोयल, पवन गोयल, मानसिंह गोस्वामी, केके शुक्ला, प्रेम त्यागी, सरदार सिंह भाटी, अजय शुक्ला, गौरव सौलंकी और राजेश त्यागी को प्रस्तावक और अनुमनोदक कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने उपलब्ध कराए। बताया जाता है कि इसके बाद एक फिल्टर भी लगा है और पांच नाम इस लिस्ट में आ गए हैं। अब प्रस्तावक और अनुमोदक उपलब्ध कराना सामान्य इत्तेफाक था, पार्टी का काम था या फिर किसी रणनीति का हिस्सा था। बहरहाल जिन चेहरों को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अनुमोदक और प्रस्तावक उपलब्ध कराए हैं वहीं चेहरे रेस में माने जा रहे हैं।

महाकुंभ में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ-साथ नजर आए महंत नारायण गिरी और यति महाराज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जूना अखाड़े के कैंप का भी किया निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के आयोजन को सफलतापूर्वक बनाने की तैयारियां शुरू हो गई है। तो खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब तक कई बार प्रयागराज का दौरा कर चुके हैं। प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के बाद की वीडियो और फोटो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन फोटो में गाजियाबाद के प्राचीन व सबसे प्रमुख शिव मंदिर दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी और डासना पीठ के मंहत यति नरसिंहानंद सरस्वती भी उनके साथ नजर आ रहे हैं। इस दौरान अन्य मंहतों से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात की रील भी इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर धमाल मचा रही हैं। भगवा रंग में रंगे साधु-संतों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी के साथ ही मंदिर के महंत नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री उनसे हाल-चाल पूछते हैं, तो वह यति से भी कहते हैं कि तुम यहां कब आए। इस दौरान गाजियाबाद में एसएसपी रहे आईपीएस अधिकारी और वर्तमान में डीआईजी प्रयागराज मेले में जिम्मेदारी संभालने वाले वैभव कृष्ण भी नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर महाकुंभ 2025 को संगम का महासमागम बनाने के लिए तमाम साधु-संतो और अलग-अलग अखाड़ों के प्रमुख प्रयागराज में पंडालों में पहुंच चुके हैं।

लगातार मुख्यमंत्री योगी के करीब दिखते हैं महंत नारायण गिरी

करंट क्राइम : प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के दौरान की जो तस्वीरें और वीडियो आ रही हैं, उसमें गाजियाबाद दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत नारायण गिरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ नजर आ रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ और महंत नारायण गिरी की मुलाकात होती है। दोनों दूसरे का हाल-चाल लेते हैं और मंहत नारायण गिरी मुख्यमंत्री के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए भी नजर आ रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब मंहत नारायण गिरी मुख्यमंत्री के बिल्कुल साथ में होते हैं। इससे पहले वह नेहरू नगर में आयोजित मुख्यमंत्री योगी के कार्यक्रम में उनके बराबर की कुर्सी साझा कर चुके हैं। तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नमो भारत रेल उद्घाटन कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद आगमन पर सबसे पहले दूधेश्वर नगर को प्रणाम किया था। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महंत नारायण गिरी कई बार आपस में मुलाकात भी कर चुके हैं। महंत नारायण गिरी जूना अखाड़े के प्रमुख साधुओं में हैं, वह अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रभारी होने के साथ ही गाजियाबाद दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के महंत भी हैं।

जब योगी आदित्यनाथ और यति महाराज की हुई बात

करंट क्राइम : प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ 2025 की शुरूआत से पहले अलग-अलग अखाड़े के प्रमुखों और महंतो से मुलाकात कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंहत नारायण गिरी और यति नरसिंहानंद सरस्वती से भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत और मेल मिलाप वाले वीडियो भी सोशल मीडिया पर नजर आ रहे हैं। जिसमें सीएम व यति मिल रहे हैं और बात-चीत भी होती हुई दिख रही है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारी नामांकन के साथ थी नामांकन के पर्चे में दाखिल होने वाले नामों पर भी नजर? एक साईड में दावेदार अपना नाम लिख रहे थे? दूसरी साईड पर लगा रहे थे अपने हस्ताक्षर से मुहर? मगर यहां पर हमें दिखा शुक्ला जी और सांगवान जी के बीच गजब का प्यार? नामांकन में लिखा गया था शुक्ला जी का नाम? हस्ताक्षर में था मिस्टर सांगवान का नाम? दोनों में कितनी मोहब्बत है आते भी एक साथ हैं और जाते भी एक साथ हैं श्रीमान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा रेड फेस मैन ने भले ही नहीं ठोकी हो अध्यक्ष वाली दावेदारी? मगर उन्होंने कुछ ऐसा ठोका है जो पड़ गया है किसी पर भारी? सुना है उन्होंने एक वैश्य नेता को दिया था मास्टर जी का दूसरे वैश्य के प्रति प्रेम दिखाने का संदेश? मामला तब सकपकाहट वाला हो गया? जब आमने-सामने हुए मास्टर और वैश्य नेता के फेस? अभी भी बना हुआ है किसको दिया समर्थन, इस बात पर डाउट? मग रेड फेस मैन ने बाहर जाती हुई गेंद पर ही कर दिया सामने वाले को आउट?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें पता है जनरली साहब बन गये हैं महामहिम? उनकी मिजोरम पहुंच कर गाजियाबाद से हो गई है डिस्टेंस वाली दूरियां? मगर जब होती है भगवा संगठन में रायशुमारी लेने वाली बात? तो उसमें पूर्व वालों को भी शामिल करने की होती है मजबूरियां? हम तो बस लगा रहे हैं इस बात का अंदाजा? साहब की ओर से अध्यक्ष पद के लिए किस नाम को गया होगा साधा? इस बात पर अभी तक दूर नहीं हो रहा है हमारा डाउट? मगर मास्टर जी की मुस्कुराहट थोडा-बहुत तो कर रही है सस्पेंस को आउट?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि महानगर अध्यक्ष कौन बनेगा, इसको लेकर है हर जनप्रतिनिधि का अपना-अपना क्लेम? मगर सबकी इस बात पर ज्यादा नजर है कि गर्ग साहब का क्या रहेगा इस मुहिम में गेम? सुना है उन्होंने नामांकन वाले मैटर में दिखाया है हैवीवेट वालों के प्रिय त्यागी जी के लिए प्रेम? सुना है उन्हीं के कहने पर त्यागी जी ने उड़ाया है दावेदारी का प्लेन? कुछ तो सोच समझ कर चला है गर्ग साहब ने ये दांव? इसलिए मजबूत माना जा रहा है गेम में इस बार त्यागी जी का भाव?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मुराद पूरी करने वाले विधायक जी की है एक खास बात? वो जिसके हैं, उससे निभाते हैं पूरा साथ? हमने देखा उनके विधानसभा क्षेत्र में हुए लूट वाली घटना? उस घटना में पीड़ित परिवार के घर पर दी लोनी वालो ने दस्तक? जब कुरेदने वालों ने यहां के विधायक जी को कुरेदा? कहा आपको कैसी लगी अपनी विधानसभा में ये दखल? तब विधायक जी ने कहा जो कुछ कर रहे हैं लोनी वाले, हम उनके साथ हैं? संबंधों में हम नहीं लगाते ज्यादा अक्ल?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भाजपा महानगर कार्यालय पर दिखाई दे रही थी अध्यक्ष वाली दावेदारी की बहार? मगर यहां पर कुछ ऐसे भी चेहरे थे जो परेशान नजर आ रहे थे यार? गोविन्दपुरम वाले होल्ड मंडल अध्यक्ष के एकलौते दावेदार को लेकर रंजन जी और उनकी टीम जा रही थी सभी जनप्रतिनिधियों के पास? ये सब कह रहे थे जब किसी और ने दावेदारी ही नहीं की है तो इनके नाम से होल्ड हटा दो साहब? सुना है इन शब्दों पर पूर्व अध्यक्ष ने बात कही बोल्ड? कहा अब ज्यादा भाग-दौड़ करने का फायदा नहीं है? जब तक नहीं होगी महानगर अध्यक्ष की घोषणा? तब तक आपका मंडल रहना है होल्ड?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम तो चाहते थे पंजाबी फैक्टर में छा जाये हमारे प्रिय युवा चौपड़ा जी का नाम? आखिर उन्होंने पार्टी के लिए किए हैं बहुत ज्यादा काम? हमने देखा नामांकन भर कर उन्होंने ठोकी महानगर अध्यक्ष की दावेदारी? पता चला है अब ऐज वाला फैक्टर पड़ गया है उनके ऊपर भारी? 39 के गेम में फंस गया है उनका केस? बन जाती उनकी अध्यक्ष वाली बात? अगर 45 प्लस होता उनका फेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही उन्होंने पूरी पहलवानी से मार दिया हो अपना स्क्रीनशॉट डिलीट? मगर उन्हें क्या पता फेसबुक पर बैठे हुए हैं एक से बढ़ कर एक ढीठ? उनके डिलीट मारने से पहले उनके स्क्रीनशॉट को कर लिया है कई विरोधियों ने सेव? इस स्क्रीनशॉट को ससम्मान एक विधायक जी तक पहुंचा दिया गया है? नहीं छुपा है अब किसी से भी उनका ये केस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हैरान मत होना कि इस बार बॉबी फिल्म की ना गुमे चाबी? सुना है इस वक्त त्यागी भैया बाकी बिरादरी वालों पर हैं बहुत ज्यादा हावी? पता चला है एक विधायक जी ने उनको एक तरफा किया है सपोर्ट? इसी वजह से मजबूत है उनकी मजबूत दावेदारी की रिपोर्ट? अगर सबकुछ सही रहा तो उन्हीं की चाबी से खुलेगा अध्यक्ष वाले कमरे का ताला? क्योंकि इस चाबी को डाला तो लाईफ झिंगा लाला?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि महानगर की टीम में आने का लेकर चल रहे हैं कई दावेदार बैकअप प्लान? क्यों कर दिया एक दावेदार ने अपनी ही जुबान से इस बात का खुलासा? उसने कहा हमे पता है मगर अपने दिल को दी है हमने दिलासा? यहां आज कप्तानी की करेंगे मांग? तो कल टीम में लिए जाने की भी होगी डिमांड? सारे चेहरे तो नया कप्तान टीम में नए लाने से रहा? ऐसे में हमारा नाम कही भी आने से रहा?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

घट रही आर्थिक विकास दर

आम बजट से पूर्व राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जीडीपी की विकास दर का जो अनुमान बताया है, वह खतरे की घंटी है। कमोबेश विकसित भारत के संकल्प और लक्ष्य को पीछे धकेल सकती है। यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एडीबी और एसएंडपी एजेंसी के अनुमानों से भी कम है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की विकास दर 6.4 फीसदी आंकी गई है, जो बीते चार साल में सबसे धीमी और निम्न स्तर पर रहेगी। भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट में तो यह दर घटकर 6.3 फीसदी हो गई है। अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के कुल 8 उप-क्षेत्रों में से कृषि और लोक प्रशासन को छोड़ कर शेष 6 क्षेत्रों में विकास दर में गिरावट आंकी गई है। विनिर्माण, सेवा, निर्माण, खनन, बिजली-गैस, होटल-परिवहन और औद्योगिक वृद्धि में वित्त वर्ष 2024 की तुलना में चालू वित्त वर्ष में गिरावट के पूरे आसार हैं। कृषि में 1.4 फीसदी की तुलना में 3.8 फीसदी की बढ़ोतरी और लोक प्रशासन में 7.8 फीसदी के स्थान पर 9.1 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। दरअसल नीतिकारों को यह चिंता करनी चाहिए कि भारत की वास्तविक मिश्रित सालाना विकास दर, बीते 10 सालों के दौरान, घटकर 5.9 फीसदी रह गई है। बीते 4 सालों में तो यह 4.8 फीसदी ही रह गई है। ऐसा देश विकसित बनने का लक्ष्य कैसे हासिल कर सकता है। भारत को इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि उसकी विकास दर अमरीका, चीन, जापान सरीखे देशों की तुलना में ज्यादा है। अमरीका की अर्थव्यवस्था हमसे 8 गुना अधिक है, जबकि आबादी 33 करोड़ के करीब है। चीन की अर्थव्यवस्था हमसे 5 गुना ज्यादा है और जापान में आबादी कम है और वह विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत को आत्मचिंतन करना चाहिए कि सरकार 7-8 फीसदी विकास दर के दावे करती रहती है और हकीकत बहुत कम है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद यह भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे धीमी गति साबित हो सकती है। इस कथित मंदी का आधार व्यापक है। इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 से घटकर विकास दर 5.3 फीसदी हो सकती है, जिसका असर रोजगार सृजन पर पड़ेगा। ऐसे में सरकार को खपत बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए। विकास दर लुढकने के बावजूद निजी उपभोग में उछाल आएगा, यह एक अच्छी खबर है, लेकिन फिक्स्ड पूंजी निर्माण में बढ़ोतरी 6.4 फीसदी ही होगी, जो वित्त वर्ष 2024 में 9 फीसदी थी। निजी उपभोग व्यय और फिक्स्ड पूंजी निर्माण किसी भी अर्थव्यवस्था में क्रमशः 60 फीसदी और 30 फीसदी के योगदान के साथ बढ़ोतरी के इंजन होते हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि दोनों में गिरावट देखी जा रही है। सारांश यह है कि निवेश अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ाने वाली ताकत के तौर पर काम नहीं कर रहा है। अर्थात निवेश पर्याप्त नहीं मिल पा रहा है। हालांकि भारत में कॉरपोरेट कर अन्य देशों की तुलना में कम है और उत्पादन से जुड़ी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन दिए जाते हैं, फिर भी अपेक्षाकृत निवेश कम आ रहा है।

रोचक तथ्यों का करंट

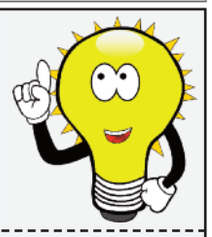

- पेट्रोल की गाड़ी चन्द्रमा पर नहीं चल सकती क्योंकि वहां पर वायुमण्डल नहीं है।
- हीरा तथा ग्रेफाइट कार्बन के क्रिस्टलीय अवरूप है।
- ईंधनों के जलने से कार्बन डाईऑक्साइड प्रदूषण का मुख्य कारण है।
- आग बुझाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड का प्रयोग किया जाता है।
- ओजोन मण्डल पराबैगनी किरणों को अवशोषित करके पृथ्वी के जीवो की रक्षा करता है।
- नीबू में साइट्रिक अम्ल पाया जाता है।
- इमली में टारटरिक अम्ल होता है।
- नाइट्रस ऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड अम्ल वर्षा का मुख्य कारन है।
- साधारण कांच में सोडियम, कैल्शियम, पोटैशियम और लैड के सिलिकेट होते है।
- घरों में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस (एलपीजी) प्रोपेन तथा ब्यूटेन गैसों का मिश्रण होती है।
- क्वार्टज प्राकृतिक में सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला खनिज है अधिकतर चट्टाने इसी से बनी होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने 'ऑनलाइन गेमिंग' सेक्टर को दी राहत

जीएसटी नोटिस पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को जारी किए गए 1.12 लाख करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 'कारण बताओ नोटिस' पर रोक लगा दी, जिससे इस सेक्टर को अस्थायी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने मामले के अंतिम निपटारे तक डीजीजीआई द्वारा जारी सभी 'कारण बताओ नोटिस' के संबंध में आगे की सभी कार्यवाही पर रोक लगा दी। मामले की अंतिम सुनवाई 18 मार्च को तय की गई है। फैसले के बाद, स्टॉक एक्सचेंजों पर इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान डेल्टा कॉर्प और नाजारा टेक जैसी गेमिंग कंपनियों के शेयरों में 7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) के सीईओ अनुराग सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई राहत का स्वागत किया। सक्सेना ने कहा, यह सरकार और गेमिंग ऑपरेटर्स दोनों के लिए फायदेमंद है। गेमिंग ऑपरेटर्स के लिए जो जबरदस्ती की कार्रवाई का सामना कर रहे थे और सरकार के लिए जिसकी समयसीमा अब बढ़ाई जा सकती है। हम इस मुद्दे के निष्पक्ष और प्रगतिशील समाधान को लेकर आश्वस्त हैं, जिसके बाद हम गेमिंग सेक्टर में निवेश, रोजगार और वैल्यूएशन को अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ते देखेंगे। डीजीजीआई ने 2023 में गेमिंग कंपनियों को 71 नोटिस भेजे, जिसमें उन पर 2022-23 और 2023-24 के पहले सात महीनों के दौरान 1.12 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी की चोरी करने का आरोप लगाया गया, जिसमें ब्याज और जुमार्ना शामिल नहीं है। जीएसटी अधिनियम की धारा 74 के तहत नोटिस जारी किए गए थे, जो विभाग को कर मांग के 100 प्रतिशत तक का जुमार्ना लगाने की अनुमति देता है और कुल देयता ब्याज सहित 2.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। अगस्त 2023 में, जीएसटी परिषद ने कानून में संशोधन किया, जिसमें कहा गया कि दांव लगाने वाले सभी ऑनलाइन गेम, स्किल या चांस की परवाह किए बिना, उसी वर्ष 1 अक्टूबर से लगाए गए दांव के पूरे मूल्य पर 28 प्रतिशत की जीएसटी दर लगेगी, न कि सकल गेमिंग राजस्व पर।

भारत 'सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था' बना रहेगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बनाए रखेगा। फ्रैंकलिन टेम्पलटन की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में विकास की गति में सुधार होगा क्योंकि सरकार व्यय में वृद्धि हो रही है और उपभोक्ता का रुख भी सकारात्मक है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था के लिए संरचनात्मक विकास का दृष्टिकोण बहुत हद तक बरकरार है, कई संकेत बताते हैं कि 2024 में मंदी कुछ समय भर के लिए होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, कुल मिलाकर, हमारा मानना है कि भारत कम से कम 2029 तक लगभग 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति को आराम से बनाए रख सकता है। आय वृद्धि और मध्यम वर्ग का उदय एक साथ जारी रहने की संभावना है। हमें उम्मीद है कि भारत की धनी और मध्यम वर्ग की आबादी में 400 मिलियन लोगों का विस्तार होगा। विशेष रूप से, भारत के सबसे धनी वर्ग के लोगों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, हम भारत की वाइब्रेंट डिजिटल अर्थव्यवस्था और इसके लाभार्थियों के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में संरचनात्मक विकास क्षमता पर भी सकारात्मक बने हुए हैं। भारत की आर्थिक वृद्धि 2024 में धीमी हो गई, वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की सालाना आधार पर वृद्धि केवल 5.4 प्रतिशत रही, जो सात तिमाहियों में सबसे कम है। परिणामस्वरूप, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्वानुमानों के आधार पर, मार्च 2025 को समाप्त होने वाले पूरे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि संभवतः 6.6 प्रतिशत होगी, जो एक साल पहले के 8.2 प्रतिशत से कम होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंदी अस्थायी है, जिसका मुख्य कारण आम चुनाव वर्ष में सरकारी खर्च को स्थगित करना है।

गर्मियों के दौरान भारी मानसून की बारिश भी आर्थिक गतिविधियों के लिए एक बड़ी परेशानी साबित हुई। कई हाई-फ्रिक्वेंसी डेटा बिंदु विकास में सुधार के लिए स्थितियों में सुधार दिखा रहे हैं। सितंबर से सरकारी खर्च बढ़ रहा है, यह दशार्ता है कि यह धीरे-धीरे कुछ पहलों, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और ग्रामीण विकास पर अपने खर्च को बढ़ा रहा है।

एआई स्मार्टफोन की बढ़ेगी मांग

2028 तक कुल शिपमेंट में होगी 54 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी

नई दिल्ली। जनरेटिव एआई (जेनएआई) स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 2028 तक कुल मोबाइल शिपमेंट में 54 प्रतिशत से अधिक होगी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) अपग्रेड और नए मॉडल लॉन्च के जरिए फ्लैगशिप और मिड-रेंज दोनों स्मार्टफोन में जेनएआई का उपयोग किया जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया कि 5जी की पहुंच में इजाफा और डिवाइस में एआई कंप्यूटिंग के बढ़ते इस्तेमाल के कारण फ्लैगशिप मॉडल से लेकर लोअर-एंड तक के स्मार्टफोन में जेनएआई का उपयोग बढ़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, जेनएआई स्मार्टफोन की मांग आने वाले समय में तेजी से बढ़ेगी और 2025 के बाद इसमें काफी इजाफा देखा जाएगा। स्मार्टफोन एआई कार्यक्षमताओं का अनुभव करने के लिए एकदम सही वाहक हैं। मिड-रेंज मॉडल अब सॉफ्टवेयर अपडेट और हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स के माध्यम से जेनआई क्षमताओं को प्राप्त कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया, हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में मिड-रेंज और बजट डिवाइस में भी जेनएआई का इस्तेमाल देखने को मिलेगा। इसका मतलब है कि यूजर्स को एआई सुविधाओं का आनंद लेने के लिए कोई फ्लैगशिप डिवाइस खरीदने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में फ्लैगशिप और मिड-रेंज स्मार्टफोन दोनों पर जेनएआई उपयोग के कई मामले सामने आ रहे हैं। यह पहुंच सुनिश्चित करती है कि बाजार के एक बड़े हिस्से को एआई का लाभ मिलेगा। रिपोर्ट में बताया गया, निष्कर्षों से पता चला है कि एंड्रॉइड ब्रांड्स, एसओसी वेंडर्स, एलएलएम डेवलपर्स एआई इकोसिस्टम को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं, जिससे जेनआई को स्मार्टफोन में इंटीग्रेड किया जा सके। ससे पहले आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि एआई कौशल की मांग को लेकर विश्व स्तर पर तेजी आई है, जिसमें भारत और अमेरिका सबसे आगे हैं।

भारत ने 2024 में 24.5 गीगावाट सोलर और 3.4 गीगावाट विंड कैपेसिटी जोड़ी, बनाया नया रिकॉर्ड : जेएमके रिसर्च

नई दिल्ली। भारत ने सोलर और विंड कैपेसिटी को लेकर 2024 में नया रिकॉर्ड बनाया है। जेएमके रिसर्च के अनुसार, भारत ने कैलेंडर ईयर 2024 (जनवरी से दिसंबर) में लगभग 24.5 गीगावाट सोलर कैपेसिटी और 3.4 गीगावाट विंड कैपेसिटी जोड़ी है। यह 2023 की तुलना में सोलर इंस्टॉलेशन में दोगुने से अधिक और विंड इंस्टॉलेशन में 21 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। 2024 में जोड़ी गई सोलर कैपेसिटी अब तक किसी भी एक वर्ष में दर्ज की गई सबसे अधिक है। भारत ने 2024 में 4.59 गीगावाट की नई रूफटॉप सोलर कैपेसिटी इंस्टॉल की, जो 2023 की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। इस वृद्धि का श्रेय मुख्य रूप से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जाता है, जिसे इस साल की शुरूआत में लॉन्च किया गया था। इस योजना ने देश भर में केवल 10 महीनों में 7 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की सुविधा प्रदान की।

विंड सेक्टर में 2024 में 3.4 गीगावाट की नई कैपेसिटी वृद्धि देखी गई, जो 2023 की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। 2024 में इंस्टॉल्ड विंड एनर्जी कैपेसिटी का 98 प्रतिशत हिस्सा गुजरात (1,250 मेगावाट), कर्नाटक (1,135 मेगावाट) और तमिलनाडु (980 मेगावाट) तीन राज्यों से था।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान लगभग 15 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी जोड़ी है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान जोड़े गए 7.54 गीगावाट से लगभग दोगुना है। सीआईआई अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन और प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए, अक्षय ऊर्जा मंत्री ने आगे कहा था कि गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षेत्र में भारत की कुल स्थापित क्षमता 214 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दशार्ता है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे?
मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं.....
आपकी फ्री में खोद दूंगा।
डॉक्टर बेहोश...

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा- मां दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं?
मां - बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं।

पति- वैक्सीन लगवा ली?
पत्नी- हां लगवा ली...
पति- फेसबुक पर तो फोटो अपलोड करी नहीं तुमने...
पत्नी- फोटो तो खींच ली है.... पर जब 30 साल वालों की बारी आएगी, तब अपलोड करूंगी।

करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

11 01 2025

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

राहुल द्रविड
क्रिकेटर

मानवी पाल

फरहा नूर

दीपिका दिवाकर

ज्योति

श्वेता शर्मा

प्रतिभा चतुर्वेदी

मानव अग्रवाल

सोनू पाठक

अब्दुल वाहिद

अखिल शर्मा

नवीन सिंघल

प्रवीण कुमार बैसोया

पवन सोम

प्रमोद रावत

रजत कौशिक

सतेंद्र ठाकुर

सिमरनदीप सिंह

सोनू वर्मा

अखिलेश वर्मा

शशांक

सिद्धार्थ वशिष्ट

अभिषेक पंडित

मनोज वर्मा

प्रदुमन शर्मा

अमित भाटी

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

वरुण आरोन ने प्रतिनिधि क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रतिनिधि क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। 35 वर्षीय आरोन ने 2023/24 के घरेलू क्रिकेट सत्र के अंत में रेड-बॉल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

वरुण ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, ₹पिछले 20 वर्षों से, मैं तेज गेंदबाजी के रोमांच में जीता, सांस लेता और पनपता रहा हूं। आज, अपार कृतज्ञता के साथ, मैं आधिकारिक तौर पर प्रतिनिधि क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। यह यात्रा ईश्वर, मेरे परिवार, दोस्तों, टीम के साथियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों के बिना संभव नहीं होती।

पिछले कुछ वर्षों में, मुझे अपने करियर को खतरे में डालने वाली कई चोटों से उबरने के लिए अपनी शारीरिक और मानसिक दोनों सीमाओं को पार करना पड़ा है, बार-बार वापस आना पड़ा, यह केवल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के फिजियो, प्रशिक्षकों और कोचों के अथक समर्पण की बदौलत ही संभव हो पाया।

आरोन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, ₹मैं बीसीसीआई, जेएससीए, रेड बुल, एसजी क्रिकेट और एमआरएफ टायर्स को भी अपने करियर के महत्वपूर्ण मोड़ पर उनके अमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। चूंकि मैं उस लक्ष्य को अलविदा कह रहा हूं जिसने मुझे पूरी तरह से अपने में समाहित कर लिया था, अब मैं जीवन की छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लेने के साथ-साथ उस खेल से गहराई से जुड़ा रहना चाहता हूं जिसने मुझे सब कुछ दिया है। तेज गेंदबाजी मेरा पहला प्यार रहा है और भले ही मैं मैदान से बाहर निकल जाऊं, लेकिन यह हमेशा मेरा हिस्सा रहेगा। एमआरएफ पेस अकादमी से निकले आरोन की लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने की क्षमता ने भारतीय क्रिकेट में तहलका मचा दिया और 2011 में उनके अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मार्ग प्रशस्त किया। आरोन ने भारत का प्रतिनिधित्व नौ टेस्ट और इतने ही वनडे मैचों में किया और कुल 19 विकेट लिए। भारत के लिए उनका अंतिम प्रदर्शन 2015 में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में हुआ था।

लेकिन उनके करियर पर उनकी पीठ में तनाव फ्रैक्चर की वजह से असर पड़ा और आरोन का आखिरी क्रिकेट असाइनमेंट 2024/25 विजय हजारे ट्रॉफी के जरिए था, जहां उन्होंने झारखंड के लिए चार मैच खेले और 53.33 की औसत से तीन विकेट लिए। आरोन ने 2011 से 2022 तक आईपीएल के नौ सीजन खेले और दिल्ली डेयरडेविल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात टाइटन्स का प्रतिनिधित्व किया।

सयाली सतघरे, आयरलैंड के खिलाफ किया डेब्यू

माता-पिता ने कहा- आज हमारा सपना पूरा हुआ

राजकोट । भारत और आयरलैंड की महिला टीमों के बीच आज से तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरूआत हो रही है। पहला मुकाबला राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में भारत के लिए एक ऑलराउंडर खिलाड़ी ने डेब्यू किया, जिसका नाम सयाली सतघरे है। शुक्रवार को टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने उन्हें डेब्यू कैप पहनाई। इस दौरान युवा खिलाड़ी के माता-पिता भी मौजूद रहे।

साइमा ठाकोर ने सुनाई सयाली की कहानी

24 वर्षीय सयाली सतघरे ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि उन्हें अब भारत के लिए डेब्यू का मौका मिला है। साइमा ठाकोर ने शुक्रवार को सयाली के क्रिकेट करियर की दास्तां सुनाई। उन्होंने कहा- जब सयाली छह साल की थीं, तब वह एक मैच देखने के लिए पहुंची थीं। तब उनके पास एक गेंद आई और उन्होंने इसको जोरदार थ्रो किया था। उस वक्त हर कोई इसे देखकर हैरान रह गया था। भावुक हुए माता-पिता वहीं, सयाली की मां स्वाती सतघरे ने भी बेटी की तारीफ की और उन्हें भारत के लिए डेब्यू करने पर बधाई दी। स्वाती ने कहा- आज हम बहुत खुश हैं। उसने बहुत मेहनत की है और आज वह सफल हुई है। हम अपनी खुशी शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा- वह बहुत अनुशासनात्मक लड़की है। उसका ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर होती है। इस दौरान सयाली के पिता गणेश सतघरे और उनके कोच प्रफुल्ल नाइक ने भी उनकी तारीफ की। दोनों ने कहा- हमने इस दिन का बड़ी बेसब्री से इंतजार किया था। आज वो दिन आ गया है।

सयाली का क्रिकेट करियर

सयाली के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 51 लिस्ट ए मैचों में 20.81 के औसत से 666 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक भी शामिल है।

तेंदुलकर, गावस्कर समेत कई भारतीय कप्तान वानखेड़े स्टेडियम की 50 वीं वर्ष गांठ मनाने के कार्यक्रम में शामिल होंगे

मुंबई । मुंबई के दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान 19 जनवरी को प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम 12 जनवरी को शुरू होंगे और 19 जनवरी को एक भव्य मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक शाम होगी।

सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे,

दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी समेत मुंबई के दिग्गज और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान वानखेड़े स्टेडियम के ऐतिहासिक महत्व को मनाने के लिए एकजुट होंगे। यह उत्सव खेल की विरासत में स्टेडियम की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करने का वादा करता है।

मुख्य कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों से मुंबई के दिग्गज पुरुष और महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

उपस्थित लोग प्रसिद्ध कलाकारों अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल के प्रदर्शन और लुभावने लेजर शो का आनंद ले सकते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ₹जैसा कि हम प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मैं सभी क्रिकेट प्रशंसकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक आमंत्रित करता हूं। हमारे दिग्गज नायक इस समारोह में हमारे साथ शामिल होंगे, और साथ मिलकर हम वानखेड़े स्टेडियम की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि देंगे जो मुंबई का गौरव है। आइए इस उत्सव को वास्तव में अविस्मरणीय बनाएं।₹

समारोह के एक भाग के रूप में, एमसीए के पदाधिकारी और शीर्ष परिषद के सदस्य 19 जनवरी को एक कॉफी टेबल बुक जारी करेंगे। वानखेड़े स्टेडियम की प्रतिष्ठित विरासत को सम्मानित करने के लिए एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

उत्सव सप्ताह के दौरान, एमसीए 12 जनवरी को एमसीए अधिकारियों और महावाणिज्यदूत नौकरशाहों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन करेगा।

मुंबई क्रिकेट के गुमनाम नायकों के योगदान और प्रतिबद्धता का जश्न मनाते हुए, एमसीए 15 जनवरी को एमसीए के क्लबों और मैदानों के ग्राउंड्समैन को सम्मानित करेगा और उनके लिए पॉली उमरीगर स्वास्थ्य शिविर और विशेष लंच का आयोजन करेगा, इसके बाद 1974 में वानखेड़े स्टेडियम में पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाली मुंबई टीम के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

बेंगलुरू एफसी क्लीन शीट रखने के इरादे से मोहम्मडन एससी की मेजबानी करेगी

बेंगलुरू । बेंगलुरू एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अपनी दसवीं क्लीन शीट रखने के इरादे से शनिवार को शाम 5:00 बजे श्री कांतीरवा स्टेडियम में मोहम्मडन एससी की मेजबानी करेगी।

ब्लूज ने कोलकाता में दोनों टीमों के बीच सीजन के पहले मुकाबले में मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 2-1 से हराया था। लिहाजा, मेजबान टीम लीग डबल करने के इरादे के साथ उतरेगी जबकि मोहम्मडन पिछले पांच मैचों में जीत से अपनी दूरी को समाप्त करना चाहेंगी।

बेंगलुरू एफसी 14 मैचों में आठ जीत, तीन ड्रा और तीन हार से 27 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है।

दूसरी ओर, मोहम्मडन एससी 14 मैचों में एक जीत, चार ड्रा और नौ हार से सात अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। जमशेदपुर एफसी से हार के बाद बेंगलुरू एफसी इस मैच में उतरेगी जबकि मोहम्मडन स्पोर्टिंग लगातार दो गोलरहित ड्रा (ओडिशा एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ) खेलकर उसका सामना करेगी।ब्लूज की आक्रामकता अभेद्य कांतीरवा : ब्लूज ने श्री कांतीरवा स्टेडियम को अभेद्य किले में तब्दील कर लिया है, जहां वे अपने पिछले सात घरेलू मैचों (5 जीते, 2 ड्रा) से अपराजित हैं। लेकिन ब्लूज अपने पिछले नौ मैचों में क्लीन शीट नहीं रख पाए हैं और इस दौरान 19 गोल खाए हैं।

आक्रामक ब्लूजः बेंगलुरू एफसी ने इस सीजन में बॉक्स के अंदर से 26 गोल किए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं।

मोहम्मडन सेट-पीस को लेकर चिंतित

कमजोर डिफेंसः मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में कॉर्नर किक के जरिये छह गोल खाए हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा है। फ्रैंका का गोल सूखाः मोहम्मडन स्पोर्टिंग के फ्रैंका ने इस सीजन में 32 शॉट लगाए हैं।

जोकोविच का दावा कि ऑस्ट्रेलिया में हिरासत के दौरान उन्हें 'जहर' दिया गया था

मेलबर्न । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के वीजा विवाद के समय हिरासत के दौरान उन्हें 'जहरीला' खाना खिलाया गया था, इससे पहले कि उन्हें सीजन के पहले मेजर की पूर्व संध्या पर निर्वासित कर दिया गया।

24 बार के मेजर विजेता का 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ऑस्ट्रेलिया के कोविड-19 प्रवेश नियमों और उनके बिना टीकाकरण की स्थिति के कारण वीजा रद्द कर दिया गया था।

उन्हें शुरू में वीजा छूट दी गई थी, लेकिन बाद में ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने इसे रद्द कर दिया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मेलबर्न के एक होटल में शरणार्थियों के साथ हिरासत में रखा गया।

जोकोविच ने जीक्यू को बताया, ₹मुझे एहसास हुआ कि मेलबर्न के उस होटल में मुझे कुछ ऐसा खाना खिलाया गया था जिससे मुझे जहर हो गया था। जब मैं सर्बिया वापस आया तो मुझे कुछ पता चला। मैंने कभी किसी को सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया... मेरे शरीर में भारी धातु का स्तर बहुत ज्यादा था। मेरे शरीर में सीसा और पारा का स्तर बहुत ज्यादा था।''

सर्ब ने आगे कहा कि 2022 के विवाद के बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलियाई लोगों से कोई शिकायत नहीं है।

कुहनेमैन ने ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वापसी का श्रेय तस्मानिया को दिया

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने घरेलू क्रिकेट सर्किट में तस्मानिया में शामिल किए जाने को आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टेस्ट टीम में वापसी का श्रेय दिया है।

कुहनेमैन ने 2023 की शुरूआत में भारत दौरे पर तीन टेस्ट खेले थे और एक बार पांच विकेट भी लिए थे। लेकिन उसके बाद, उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उन्होंने 2023/24 शेफील्ड शील्ड सीजन बिना किसी मैच के ही खेल लिया, क्योंकि क्वींसलैंड ने लेग स्पिनर मिशेल स्वेप्सन को अपना मुख्य स्पिनर बना लिया था।

परिणामस्वरूप, कुहनेमैन 2024/25 सीजन से पहले तस्मानिया चले गए और छह शेफील्ड शील्ड मैचों में खेले, जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए - जिनमें से नौ विकेट होबार्ट में उनके नए घरेलू मैदान पर आए, जो स्पिनरों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थान है। इससे ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को श्रीलंका के दो मैचों के दौरे के लिए कुहनेमन को चुनने के लिए प्रेरित किया, जहां वह नाथन लियोन, टॉड मर्फी और कोरी रोचिचियोली के साथ स्पिन विभाग का हिस्सा होंगे।

चक्रवर्ती के पास इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का मौका

नई दिल्ली । कलाई के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में जगह बनाने के लिए एक बाहरी मौका बनकर उभरे हैं। सूत्रों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी।

भारत 22 जनवरी को कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा। इसके बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के लिए दुबई जाएगा। टूर्नामेंट के बाकी आधे मैचों की मेजबानी पाकिस्तान करेगा।

अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली सीनियर पुरुष चयन समिति शनिवार को बैठक करेगी, जिसमें पहले बताए गए कार्यों के लिए टीमों का चयन किया जाएगा, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अंतिम टीम की घोषणा करने की आखिरी तिथि रविवार है।

सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि चक्रवर्ती के लिए भारत की ओर से वनडे मैचों में चयन की संभावना, टी20 टीम में जगह पक्की होने के अलावा, ऐसे समय में है जब उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में 18 विकेट चटकाए हैं और वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिसमें लगातार पांच विकेट शामिल हैं।

बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में शानदार प्रदर्शन करने वाले चक्रवर्ती ने विजय हजारे ट्रॉफी के प्री क्वार्टर फाइनल मैच में तमिलनाडु के लिए 52 रन देकर 5 विकेट चटकाए, हालांकि इससे उन्हें वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में राजस्थान पर जीत नहीं मिली।

लेकिन कुलदीप यादव के हर्निया सर्जरी से उबरने और गेंदबाजी में वापसी के कारण अभी भी प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी नहीं हुई है, क्योंकि वे अभी भी बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेल रहे हैं, ऐसे में वरुण के पास इंग्लैंड सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की वनडे टीम में जगह बनाने का मौका है, क्योंकि चयनकर्ता स्पिन विभाग के बारे में विचार-विमर्श करने वाले हैं।

सूत्रों ने आईएएनएस को यह भी बताया कि केएल राहुल को इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों से आराम दिया जाएगा, क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उन्हें तरोताजा रखने का फैसला किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ओपनः चोट के बावजूद नाओमी ओसाका को पहले दौर का मैच खेलने का भरोसा

मेलबर्न । दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका को पेट की चोट के स्कैन के नतीजे शानदार नहीं होने के बावजूद सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम में पहले दौर का मैच खेलने का भरोसा है।

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सीजन के पहले मेजर की तैयारी के लिए एएसबी क्लासिक के फाइनल में पहुंची, लेकिन उसे रिटायर होना पड़ा और एमआरआई स्कैन करवाना पड़ा। हालांकि उसने शुक्रवार को स्कैन के नतीजों के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी, लेकिन ओसाका ने कहा कि वह फ्रांसीसी महिला कैरोलिन गार्सिया के खिलाफ अपने पहले दौर के मैच के लिए तैयार है।

ओसाका ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, मैं आम तौर पर बहुत ईमानदार व्यक्ति हूं, लेकिन मैं शायद आपके सवाल का ईमानदारी से जवाब नहीं दूंगी। एमआरआई, यह शानदार नहीं था, लेकिन साथ ही यह बुरा भी नहीं था। मैं अपना मैच खेलने को लेकर काफी आशावादी हूं, मेरा मतलब है कि मैं निश्चित रूप से अपना मैच खेलूंगी, और मैं यहां पिछले दो दिनों से काफी अच्छा अभ्यास कर रही हूं।

27 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑकलैंड में डब्ल्यूटीए इवेंट में अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल किया है और वहां फाइनल से रिटायर होने पर महसूस की गई तत्काल तबाही से मानसिक रूप से आगे बढ़ गई है। ओसाका ने कहा, यह सिर्फ इसलिए निराशाजनक था क्योंकि मुझे लगा कि मेरा शरीर मेरे दिमाग की इच्छा के अनुसार काम नहीं कर रहा था, और जाहिर है कि मैं यहां खेलने के अपने अवसरों को लेकर बहुत चिंतित थी, इसलिए मुझे लगा कि सबसे अच्छा निर्णय बाहर निकलना था, भले ही मैं वास्तव में ऐसा नहीं चाहती थी। पिछले साल उनके अभियान ने इस भावना को और बढ़ा दिया था, जो मातृत्व अवकाश के लंबे कार्यकाल के बाद काफी हद तक पुनर्निर्माण में बिताया गया था।

लीजेंड 90 'क्रिकेट की विरासत का जश्न' है, लीग के संस्थापक ने कहा

नई दिल्ली । 6 फरवरी से शुरू होने वाली लीजेंड 90 लीग, दिग्गज खिलाड़ियों को 90 गेंदों के नए प्रारूप में मैदान पर वापस लाएगी। हरभजन सिंह, शिखर धवन, दिनेश कार्तिक, मोइन अली, रॉस टेलर और मार्टिन

गुप्तिल उन पूर्व क्रिकेटरों में शामिल हैं जो लीग में भाग लेंगे। लीग के संस्थापक शिवैन शर्मा का मानना है कि आगामी लीग प्रशंसकों के लिए अपने पसंदीदा क्रिकेटरों को फिर से मैदान पर प्रतिस्पर्धा करते देखने का एक आदर्श मंच है, जिसमें सात फ्रेंचाइजी गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। शर्मा ने कहा, लीजेंड 90 लीग केवल क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर वापस लाने के बारे में नहीं है।

स्मृति मंधाना ने वनडे में पूरे किए 4000 रन

मिताली राज के बाद ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय बनीं

राजकोट । भारतीय महिला टीम का आयरलैंड से तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में सामना हो रहा है। इस मैच में भारतीय महिला बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने दमदार प्रदर्शन किया और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने वनडे क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार हजार वनडे रन बनाने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज बन गईं।

दुनिया की 15वीं बल्लेबाज बनीं मंधाना

राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में स्मृति मंधाना ने 29 गेंदों में 41 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह चौके और एक छक्का लगाया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार हजार रन पूरे करने वाली दुनिया की 15वीं बल्लेबाज बन गईं। अपने करियर का 95वां मुकाबला खेल रहीं मंधाना इस मैच में टीम की अगुआई कर रही हैं। दरअसल, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। उनकी जगह मंधाना को टीम के नेतृत्व का जिम्मा सौंपा गया है।मिताली राज के बाद ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय बनीं मंधाना 28 वर्षीय बल्लेबाज ने वनडे में 4000 रन पूरे कर लिए हैं। वह मिताली राज के बाद ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय बल्लेबाज हैं। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने पारी के नौवें ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। मंधाना के नाम वनडे प्रारूप में 29 अर्धशतक और नौ शतक दर्ज हैं।

महिला को नशीला पदार्थ खिलाकार गहने ठगे

मोदीनगर (करंट क्राइम)। मोदीनगर की गुरुद्वारा रोड कालोनी में शातिरों ने किराना व्यापारी की पत्नी सीमा सिंघल और उनकी रिश्तेदार सुषमा पर नशीला पदार्थ छिड़कर उनसे लाखों रुपये की कीमत के सोने के गहने ठग लिए। होश आने पर उन्हें घटना का एहसास हुआ। जिसके बाद व्यापारी ने घटना की तहरीर दी है। नगर की आदर्शनगर कॉलोनी निवासी निर्दोष सिंघल किराना व्यापारी है। निर्दोष ने बताया कि उनकी पत्नी सीमा सिंघल सुबह के समय रिश्तेदार सुषमा निवासी सिकंदराबाद के साथ खरीदारी करने कस्बा रोड बाजार गई थी। रास्ते में गुरुद्वारा बाजार में सीमा और सुषमा को दो युवक मिले। दोनों युवकों ने सीमा सुषमा को बातों उलझा लिया और उन्हें कुछ दूर तक ले गए। इसी दौरान आरोपियों ने मौका देखकर उन पर रूमाल छिड़क दिया। इसके बाद सीमा और सुषमा बेसुध हो गई। इसके बाद शातिर उनसे सोने की दो अंगूठी और सोने की चेन लेकर भाग गए। महिलाओं ने घर पहुंचकर आपबीती बताई। आरोप सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। नगर में कई बार महिलाओं से ठगी की घटनाएं हो चुकी हैं, मगर पुलिस घटनाओं का खुलासा करने में नाकाम रही है। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज आदि के माध्यम से आरोपियों की पहचान की जा रही है।

न्यूज डायरी

पैतृक भूमि पर कब्जे के प्रयास में दस लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

लोनी (करंट क्राइम)। पैतृक भूमि के कूटरचित दस्तावेज बनाकर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे आठ दस लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। सभापुर निवासी सुभाष ने बताया कि उसकी पैतृक 1000 वर्गगज भूमि लोनी के सादुल्लाबाद में है उसके पिता की मौत हो जाने के बाद वह अपनी भूमि की साफ सफाई कर रहा था इसी दौरान ओमप्रकाश, रिहान, दयाचंद अपने साथियों के साथ पहुंचे और फर्जी मुख्त्यारनामा दिखाते हुए बताया कि उसके पिता भूमि को बेंच गए थे। जिसको देखकर वह भौचक्के रह गए। इसके बाद सुभाष ने दस्ताबेजों की जांच कराई तो वह फर्जी निकले जिस पर उसने रिपोर्ट दर्ज करा दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सस्ता कपड़ा बेंचने का लालच देकर 35 लाख हड़पे

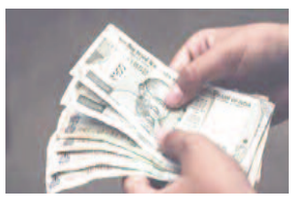

लोनी (करंट क्राइम)। कपड़ा दुकानदार को सस्ते कपड़े का लालच देकर गुजरात का एक व्यापारी 35 लाख रुपए एडवांस ले गया। जिसके बदले उसने कुछ कपड़ा स्क्रैप भेजकर 25 लाख रुपए बिलिंग कर दी। कपड़ा दुकानदार ने कपड़ा और बिलिंग देकर माथा पीट लिया। उसने व्यापारी से संपर्क किया तो वह अपने आपको विदेशों में बताता है। कपड़ा दुकानदार ने व्यापारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

लोनी थाने की इकराम नगर कॉलोनी निवासी शुऐब की कपड़े की होलसेल की दुकान है। शुऐब ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उसकी दुकान पर गुजरात का कपड़ा व्यापारी उत्तम कुमार आया कपड़े का सैंपल दिखाते हुए सस्ते कपडे बेंचने का लालच देकर उससे 35 लाख रुपए एडवांस ले लिए। लेकिन गुजरात पहुंचे के बाद उत्तम कुमार ने दुकानदार को 12 लाख रुपए की कीमत का कपड़ा स्क्रैप भेज दिया और उसकी बिलिंग 25 लाख रुपए कर दी। जिसके बाद दुकानदार ने उससे शिकायत की तो उसने अपने आपको दुबई में होना बताया तथा उसे बाकी दस लाख का कपड़ा भी नही भेजा। जिस पर दुकानदार शुऐब ने कपड़ा व्यापारी उत्तम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

भूखंड का झांसा देकर 4.90 हजार हड़पे

लोनी (करंट क्राइम)। प्रॉपर्टी डीलर ने भूखंड का झांसा देकर ऐ युवक से 4.90 रुपए हड़प लिए तथा उसे जान से मारने धमकी देकर भगा दिया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। दिल्ली की मुस्तफाबाद कॉलोनी निवासी अख्तर दिल्ली डीटीसी में संविदाकर्मी है। अख्तर ने बताया कि उसने करीब एक वर्ष पूर्व लोनी की अशोक विहार कॉलोनी में 25 वर्ग गज का भूखंड आसमोहम्मद और दिलशाद सूफी प्रॉपर्टी डीलरों ने बदायूं के एक व्यक्ति से 4 लाख 90 हजार में दिलवाया था। लेकिन जब अख्तर पूरे पैसों का भुगतान करने के बाद भूखंड पर कब्जा लेने पहुंचा तो वहां उसका असल मालिक सामने आ गया। जिसके बाद अख्तर को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला। अख्तर ने प्रॉपर्टी डीलरों से पैसे मांगे तो जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। अख्तर ने पुलिस उपायुक्त से शिकायत की थी।

क्या बढ़ेगी बॉटम फॉर वालों की टेंशन

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में रैंकिंग का जलवा हर स्तर पर दिखाई देता है और रैंकिंग में फेल वालों पर कई बार कारवाई और फटकार वाला सीन भी बना है। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम वाले सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों एक रैंकिंग रिपोर्ट आई है। जिसमें पुलिस कमिश्नरेट के लगभग 21 थाने टॉप पर है और चार थानों की हालत बॉटम फॉर में है। बॉटम फॉर में रहने वाले दो थाने नदिया पर वाले जोन के हैं। तो दो थाने देहात वाले जोन के हैं। सिटी वालों ने इस बार प्रदर्शन हंड्रेड परसेंट दिखाया है और उनके जोन वाले सभी थाने नंबर एक वाली पोजीशन पर आए हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्रों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि क्या जो चार थाने बॉटम फॉर में हैं उनकी टेंशन बढ़ेगी या मामला नए साल पर भी ऐसे ही चलता रहेगा। पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि एक थाना तो उस प्रभारी का है, जो कभी इस रैंकिंग के लिए काम किया करते थे, तो वही दूसरा फेस उस प्रभारी का है, जो अपनी वर्किंग की वजह से हॉट सीट पर भेजे गए थे। तो वहीं देहात के एक थाने का मामला डाउन हो सकता है। बताया जा रहा है कि देहात वाले यह उसी थानाक्षेत्र से जुड़ा मामला है। जहां का वीडियो सनसनी मजा चुका है। हालांकि उस मामले के मुकदमें वाली कार्रवाई के बाद गिरफ्तारी वाला एक्शन भी हुआ था, पर जिस तरीके से वहां के सर्किल के एक के बाद एक कारनामे और हॉट टॉपिक बाहर आ रहे हैं। उसमें कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगा। इधर जिस तरीके से इन चार थानों की परफॉर्मेंस को लेकर प्रश्न चिन्ह लगा है, वह भी सवाल खड़े करने वाला है। कमिश्नरेट के 21 थाने नंबर वन की पोजीशन पर हैं, तो देहात वाले और नदिया पार वाले बॉटम फॉर के थानों की रैंकिंग 1300 और 1400 के बीच जा पहुंची है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं की रैंकिंग में इतना निम्न स्तर कहीं ना कहीं फटकार वाला सीन तो अवश्य बना होगा, यह बात अलग है कि अभी मामला साइलेंट मोड पर है। वैसे पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्रों की माने तो यह कमिश्नरेट का वहीं थाना है, जहां पर पहले भी एक बार रैंकिंग के चक्कर में एक कोतवाल की कुर्सी गई थी। तो देखना होगा कि इस बार बॉटम फॉर वाली रैंकिंग के थानों को लेकर क्या फैसला और एक्शन लिया जाता है। कुल मिलाकर इस रैंकिंग रिपोर्ट में 21 बेस्ट तो चार के बॉटम रहने का मामला भी पुलिस कमिश्नरेट में कम चर्चा का विषय नहीं है।

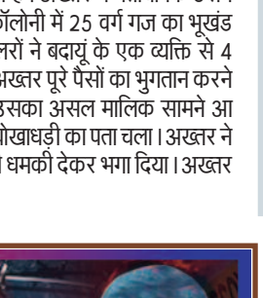

बरेली में महानगर अध्यक्ष पद के लिए 22 नामांकन पत्र दाखिल

मंत्री नरेंद्र कश्यप के पर्यवेक्षण में हो रहा है चुनाव

बरेली, करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया में लगी हुई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, चुनाव के पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान यहां महानगर पद के लिए 22 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं और तीन प्रदेश परिषद के लिए। वहीं जिला चुनाव अधिकारी वाईपी सिंह भी इस दौरान मौजूद रहे और उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप से कई नामो को लेकर जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों से चुनाव को लेकर मंत्रणा की है।

संगठन और जनप्रतिनिधियों की भी ली है राय

करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया है कि बरेली में हो रहे संगठन चुनाव में महानगर अध्यक्ष पद के लिए कुल 22 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। उन्होंने बताया है कि जिन लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, उनके बारे में जनप्रतिनिधियों और संगठन के लोगों से महत्वपूर्ण जानकारी भी हासिल की गई है ताकि निष्पक्ष रूप से चुनाव हो सही और श्रेष्ठ का चयन किया जा सके।

भाजपा में होता है निष्पक्ष और कार्यकर्ता का चुनाव : नरेंद्र कश्यप

करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बरेली में भाजपा संगठन के चुनाव कार्यक्रम में भाग लिया। वह चुनाव के पर्यवेक्षक भी हैं। उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी में पदाधिकारियों का चयन निष्पक्ष रूप से किया जाता है। तो वहीं यहां कार्यकताओं को भी पदाधिकारी बनने का मौका दिया जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान का सम्मान और उसकी नियमावलियों का पालन करती है और यही वजह है कि इन दिनों उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में संगठन चुनाव को पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जा रहा है।

अध्यक्षी तमन्ना की रख देते हजार रूपये फीस तो नाम रह जाते तीस

फूल हाईकमान वालों के मन की बात तो वो जानें मगर फ्लावर वालो के दफ्तर से एलान हुया कि जिसके भी मन में अध्यक्ष बनने की हसरत है तो वो आवेदन पत्र ले और दावेदारी करे। पहली बार भगवा कमांडर को भी अहसास हुया होगा कि सही टाईम पर विधायक बन गये इधर तो पूरा टोला ही अध्यक्ष बनने को तैयार खड़ा है। मंत्री जी के प्रतिनिधि भी आये और मडंल के प्रभारी बोले हम भी बनना चाहते हैं महानगर का अध्यक्ष। लाईन पार वाली देवतुलनी से लेकर नदियापार वाली भाजपाईन भी आ गई कि हमें भी बना दो महानगर का अध्यक्ष। देखते ही देखते भाजपा का महानगर अध्यक्ष बनने की हसरत रखने वालों की संख्या ही हाफ सेंचुरी पार कर गई। रीजनल टीम के फूल वाले देवतुल्य ने जब लिस्ट के नाम देखे तो वो हैरान हुये और उनकी जुबान से जो शब्द निकले वो सुनने लायक थे। उन्होने कहा कि अगर आवेदन पत्र की फीस ही ज्यादा नही बस एक हजार रूपये ही रख देते तो आप लिख कर रख लो यदि फूल दफ्तर पर दावेदारों की बहार रह जाती हाफ और फीस के नाम पर दावेदार मिलते ओनली तीस।

दूल्हा तो अदंर फेरे ले रहा है ये तो बाहर डांस कर रहे बाराती हैं

जब फ्लावर टोले में महानगर वाली चेयर के लिये विद बायोडाटा आवेदन की बेला आई तो पता चला कि इन देवतुल्यों के साथ तो आलरेडी बड़े वाला इमोशनल खेला हो गया है। अध्यक्ष बनने की आस मन में लेकर कोई अपना बीस साल पुराना तो कोई अपना तीस साल पुराना तो कोई अपना पैंतीस साला भाजपाई डाटा लेकर आ गया। इसे देवा कर कहने वाले ने कहा कि अब एक निगाह उन पर भी जो भगवा टिकट पर लोकसभा,राज्यसभा विधानसभा विधानपरिषद हो आये और उनका भाजपाई शिजरा क्या कहता है। बात जब दावेदारी की चली तो पुराने भाजपाई ने कहा कि अजी आप किस चक्कर में पड़ रहे हो। ये जितने भी दावेदार हैं आप ये मान कर चलों कि ये तो मंडप के बाहर डांस कर रहे बाराती हैं जबकि दूल्हा तो घोड़ी से उतर कर फेरों पर बैठ भी गया है। अब वरिष्ठता कोई पैमाना नही है अब आपकी उपयोगिता सबसे बड़ा पैमाना है।

धरती के स्वर्ग से लेकर सबसे प्रदूषित शहर तक उनकी दावेदारी

वो तो गनीमत ये थी कि आवेदन गाजियाबाद के लिये ही मांगे थे तब आंकड़ा 60 के पार हो गया। अपने बादशाह को विश्व का सबसे लोकप्रिय बादशाह और दल को दुनिया का सबसे बड़ा दल बताने वाली पार्टी में अगर भूटान नेपाल श्रीलंका पाकिस्तान चीन में अध्यक्ष बनाने के लिये आवेदन मांग लेते तो गली मौहल्लें से चार चार आवेदन तो आ ही जाते। पासपोर्ट की फोटो कापी हाथ में लेकर अपने भाजपाई रिकार्ड के साथ दावेदार आते। इस बात को बताते हुये हंसते हंसाते हुये वरिष्ठ भाजपाई ने कहा कि आप को भले ही मेरी बात इस समय मजाक लग रही हो मगर यकीन करों कि किसी दिन पार्टी ने ऐसे इंटरनेशनल आवेदन मांग लिये तो भी आप देखना भूटान का मडंल अध्यक्ष बनने के लिये भी कोई आ जायेगा और श्रीलंका में जाने को भी कोई तैयार खड़ा मिलेगा।

धोखाधड़ी से एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश

हापुड़ (करंट क्राइम)। नगर कोतवाली पुलिस ने भोले-भाले लोगों को बातों में उलझाकर धोखाधड़ी से अळट कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का पदार्फाश कर गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 32 हजार रुपए नकद, 23 एटीएम कार्ड और एक कार बरामद की गई है।

जिले के एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ये गिरोह एनसीआर क्षेत्र में सक्रिय था और भोले-भाले लोगों को बातों में फसाकर धोखाधड़ी से अळट कार्ड बदलकर रकम निकाल लेते थे। हापुड़ में भी ये गिरोह काफी सक्रिय था, जिनको गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम लगी हुई थी। उन्होंने बताया इन आरोपियों को एसएसवी कॉलेज के पास से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों में गाजियाबाद के मुरादनगर के जलालपुर का आबिद सैफी, लोनी के खन्ना नगर का नदीम, अशोक विहार कॉलोनी का राशिद अंसारी और मोनिस सैफी शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एटीएम बूथ के आस-पास खड़े रहकर ये लोगों का पिन नंबर देख लेते थे, फिर उन्हें बातों में उलझाकर एटीएम कार्ड बदल देते थे और खाते से पैसे निकाल लेते थे। एसपी केजी सिंह के अनुसार आरोपियों ने हापुड़ में 5 वारदातों को अंजाम था, पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

रोटी पर थूकने का वीडियो वायरल पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

खाद्य विभाग ने दर्ज कराया था मुकदमा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा थाना क्षेत्र में स्थित दिल्ली 6 चिकन पॉइंट होटल का एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में होटल का एक कर्मचारी तंदूर में रोटी डालने से पहले उस पर थूकता हुआ दिखाई दे रहा है। बिजनौर के धामपुर का रहने वाला 22 वर्षीय इरफान पुत्र अनवर, जो होटल में तंदूर पर रोटी बनाने का काम करता है। उसे इस घटना के लिए गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार रात को वायरल हुए वीडियो के बाद पुलिस और प्रशासन तुरंत हरकत में आया और इरफान की गिरफ्तारी की कार्रवाई हुई। खाद्य विभाग ने इस गंभीर मामले का संज्ञान लेते हुए थाना खोड़ा में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है। यह घटना खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। देश में इस तरह की घटना पहले भी सामने आ चुकी हैं।

महिला पिक पॉकेट गैंग गिरफ्तार, फरीदाबाद से नोएडा आते थे, गायब करती थी पर्स, गहने व सामान

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा में पिक पॉकेट करने वाली चार महिलाओं को थाना फेज-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये हरियाणा के फरीदाबाद ये नोएडा आती है। यहां किराए पर रुम लेकर रहती है। नोएडा में लगने वाले बाजार, बस स्टैंड, भीड़ भाड़ वाले एरिया में पर्स, गहने , मोबाइल आदि चोरी कर अपने पास रखती है। तीन से वार दिन तक चोरी की घटना करने के बाद वापस फरीदाबाद जाती है। वहां कस्टम को सामान बेचती है।

कई सालों से एक्टिव है गैंग

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि चारो महिलाओं का एक गैंग है। ये काफी समय से नोएडा में एक्टिव है। इसमें एक महिला थाना कासना से 2023 में पहले जेल जा चुकी है। इनके पास से 4 चेन पीली धातू, 2 जोड़ी बिछले और 15 हजार रुपए बरामद किए गए। इसके अलावा आधार कार्ड और पैन कार्ड भी मिला है। इनकी पहचान मीना , राधा, सुनीता और गीता हुई है। चारो शादी शुदा है और फरीदाबाद की रहने वाली है। इसमें सबसे ज्यादा उम्र की गीता 50 साल की है। इन चारों को नया गांव मंडी के पास से गिरफ्तार किया गया।

भीड़ में महिलाओं को करती टारगेट

डीसीपी ने बताया कि फरीदाबाद से नोएडा आने के बाद ये महिलाएं नियमित रूप से लगने वाली मंडी और साप्ताहिक बाजार में आने वाले ग्राहक विशेषकर महिलाओं को टारगेट करती थी। ये इन स्थानों पर एक टारगेट सेट करती है। इसके बाद उसका ध्यान भटकते ही तुरन्त उनके पर्स व शरीर पर पहने आभूषणों को लेकर गायब हो जाती है। ये गैंग में काम करती है। ऐसे में एक महिला चोरी करती तो तुरंत दूसरी महिला को सामान देती थी। ताकि पहली महिला पर कोई शक न करे।

बार बार बदलती थी लोकेशन

एक बार एकत्रित होने पर ये सभी महिलाएं वापस बस से फरीदाबाद आती और यहां पर मॉल को बेच देती है। ये सभी महिलाएं पकड़े जाने के डर से एक जगह न रहकर निरंतर स्थान बदलती रहती हैं। इनका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है। जिस कमरे को किराए पर लेती थी वहां अपनी कोई पहचान नहीं देती थी। महज तीन से चार दिन रहने के बाद ये अपना ठिकाना बदल लेती थी।

शातिर बदमाश को पुलिस ने मारी गोली दिल्ली एनसीआर में करता था गाड़ी चोरी

नोएडा (करंट क्राइम)। पुलिस की दो शातिर बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। इसकी पहचान भानू नाम से हुई है। इस पर दिल्ली एनसीआर में 24 से ज्यादा मुकदमा दर्ज है। इसके दो साथी मौके से फरार हो गए। ये लोग दिल्ली एनसीआर में कार चोरी की घटना को अंजाम देते थे। जिसमें ऑन डिमांड ज्यादा होती थी। इसके दूसरे साथी को पकड़ने के लिए कांबिंग की जा रही है।

3 कार लेकर आए थे बदमाश

एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर-113 पुलिस जोडियक चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति और गाड़ी की चेकिंग कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि एफएनजी सर्विस रोड के पास कुछ व्यक्ति चोरी की गाड़ियों के साथ खड़े है। पुलिस को मुखबिर द्वारा बताये गए स्थान पर जाकर देखा तो कुछ व्यक्ति 03 गाड़ियों के साथ वहां खड़े दिखाई दिए। पुलिस ने उनको रुकने का इशारा किया। जिस पर गाड़ी के पास खड़े बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने एक्शन लिया और अपने को बचाते हुए बदमाश पर फायर किया।

एक गोली बदमाश के पैर में लगी

एक बदमाश के पैर में गोली लगी और घायल हो गया। इसकी पहचान भानू उर्फ केशव पुत्र राजेन्द्र निवासी जिला इटावा उम्र 27 साल के रूप में हुई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के अन्य साथी एक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। बदमाश के साथियों की तलाश के लिए वाहन चेकिंग की जा रही है। मौके से चोरी की 02 कार, 01 तमंचा बरामद किया गया। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। बरामद चोरी की कार के बारे में थाना सेक्टर-113 पर पर मुकदमा दर्ज है।

शोरूम में लाखों की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

20 हजार की नकदी समेत लाखों का ले गए माल

हापुड़ (करंट क्राइम)। सिटी कोतवाली इलाके के दिल्ली रोड पर एक ब्रांडेड शोरूम में कूमल कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर वहां से 20 हजार रुपए की नगदी समेत लाखों का माल चोरी कर ले गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई।

जानकारी के अनुसार दिल्ली रोड पर नामी कंपीन का शोरूम है। बीती रात स्टोर बंद कर कर्मचारी अपने अपने घर चले गए। देर रात चोरों ने मौका पाकर धावा बोल दिया। चोर दीवार में कूमल कर अदंर प्रवेश कर गए। चोर वहां से नगदी और कपड़े, जूते समेत लाखों रुपए का माल ले गए। शुक्रवार को स्टोर पहुंचे कर्मियों ने शटर खोला तो जानकारी हुई। स्टोर मैनेजर के अनुसार चोर वहां से अपने मन मुताबिक जूते, जैकेट समेत अन्य कपड़े चोरी कर ले गए। चोर वहां से 20 हजार की नकदी समेत लगभग 2 लाख रुपए का माल ले गए। इस दौरान चोर सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी अपने साथ ले गए। मामले की सूचना मिलने पर सीओ जितेंद्र शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे इसके बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जल्द पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

9/11 के मास्टरमाइंड की याचिका, समझौते पर अपीलीय पैनल की अस्थायी रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने आखिरकार 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद की दोषी याचिका समझौते को अस्थायी रूप से रोकने में सफलता हासिल कर ली है

वॉशिंगटन । इसके तहत अब वो मामला पूरी तरह से रुक गया, जो मोहम्मद को अल-कायदा द्वारा 2001 में अमेरिका पर किए गए हमलों के लिए मौत की सजा से बचा सकता था। बाइडन प्रशासन के वकीलों ने संघीय अपील पैनल से क्यूबा के ग्वांतानामो बे में मोहम्मद की दोषी याचिका की सुनवाई को रोकने का आग्रह किया था।

इस मामले में बाइडन प्रशासन के आग्रह पर संघीय अपील पैनल ने गुरुवार शाम को अस्थायी रोक पर अपनी सहमति दे दी। हालांकि अपील पैनल ने यह भी कहा कि ये रोक तभी तक रहेगी जब तक सरकार के अनुरोध में तर्कों पर पूरी तरह से विचार करने में समय लगेगा। और इसे अंतिम निर्णय नहीं माना जाना चाहिए।

बता दें कि यह याचिका समझौता दो सालों से चल रहा था और जुलाई में इसे पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंजूरी दी थी। अगर यह सौदा लागू होता, तो मोहम्मद और उसके दो सह-आरोपियों को मृत्युदंड के खतरे से बचाया जाता। हालांकि, बचाव पक्ष का कहना था कि यह समझौता पहले ही प्रभावी है और इसके रद्द होने का कोई कानूनी कारण नहीं है।

इससे पहले, अमेरिका में 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के वकील ने एक संघीय अपीली अदालत से आग्रह किया था कि वह उनके मुवक्किल की तरफ से शुक्रवार को ग्वांतानामो बे, क्यूबा में किए जाने वाले दोषी बयान को मंजूरी दे। खालिद शेख मोहम्मद के वकीलों ने बुधवार देर रात एक याचिका में कहा कि रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन का यह प्रयास कि वह खुद की तरफ से स्वीकृत और सेना की तरफ से किए गए सौदे को रद्द करें, यह दशार्ता है कि अमेरिका की सरकार और सेना ने पिछले दो दशकों में इस मामले को 'असावधानी' से और 'लापरवाह' तरीके से संभाला है। अपना अपराध स्वीकार करने को तैयार खालिद शेख मोहम्मद खालिद शेख मोहम्मद शुक्रवार सुबह 9/11 हमलों में अपना अपराध स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

जिसमें 19 अल-कायदा के हाइजैकर्स ने विमानों को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन से टकराया और एक अन्य विमान पेंसिल्वेनिया के एक खेत में गिरा, जिससे लगभग 3,000 लोग मारे गए।

कनाडा की लिबरल पार्टी 9 मार्च को चुनेगी देश का अगला प्रधानमंत्री, कुछ नेताओं के नाम रेस में शामिल

ओटावा । कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नेता और अंतरिम प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस सप्ताह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद इस पद के लिए अभी तक किसी का चयन नहीं हुआ है। अब नए नेता के चुनाव के लिए पार्टी की ओर से बयान सामने आया है। जिसमें कहा गया है कि पार्टी मतदान के बाद 9 मार्च को देश के अगले प्रधानमंत्री की घोषणा करेगी। ट्रूडो तब तक देश के प्रधानमंत्री बने रहेंगे जब तक कि नया नेता नहीं चुना जाता है।

प्रधानमंत्री बनने की रेस में इन नेताओं के नाम

लिबरल की ओर से नए प्रधानमंत्री की रेस में पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी और पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड का नाम सबसे आगे चल रहा है। लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा के अध्यक्ष सचित मेहरा ने एक बयान में कहा, 'एक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के बाद, लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा 9 मार्च को एक नया नेता चुनेगी और 2025 का चुनाव लड़ने और जीतने के लिए तैयार होगी।' फ्रीलैंड कनाडा की पूर्व वित्त मंत्री रही हैं और जब यूएस, कनाडा और मैक्सिको के बीच पहले ट्रम्प प्रशासन के दौरान मुक्त व्यापार सौदा हुआ था, उसमें फ्रीलैंड की अहम भूमिका रही थी। फ्रीलैंड की पहचान एक उदारवादी नेता की है, जो पूर्व पत्रकार हैं। यूक्रेनी मूल की फ्रीलैंड, रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन की समर्थक रही हैं।

वहीं कॉर्नी बैंक ऑफ इंग्लैंड के पूर्व गवर्नर रहे हैं। वह इस प्रतिष्ठित बैंक के पहले विदेशी गवर्नर थे। कॉर्नी ने कनाडा के केंद्रीय बैंक के प्रमुख के रूप में भी काम किया और 2008 के वित्तीय संकट से कनाडा के कई अन्य देशों की तुलना में तेजी से उबरने में अहम भूमिका निभाई थी। कॉर्नी एक उच्च शिक्षित अर्थशास्त्री हैं, जिन्हें यूके की ब्रेक्सिट से अलग होने की स्थिति में हालात का प्रबंधन करने में भी मदद की थी। हालांकि उनके पास राजनीतिक अनुभव की कमी है। लिबरल पार्टी ने कहा कि पीएम पद की दौड़ में शामिल होने का शुल्क 350,000 कनाडाई डॉलर (243,000 डॉलर) होगा और उम्मीदवारों को 23 जनवरी तक इसकी घोषणा करनी होगी। पार्टी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के लिए मतदाता कनाडाई नागरिक या स्थायी निवासी होना चाहिए।

बेबस लोग, जलते आशियाने, लॉस एंजलिस में आग का तांडव जारी

लॉक एंजिलेस । अमेरिका के लॉस एंजलिस में बीते हफ्ते से आग का तांडव जारी है। अब तक लॉस एंजलिस में मरने वालों का आंकड़ा 10 तक पहुंच गया है। इस आग से अब तक पांच हजार से ज्यादा मकान, गाड़ियां और व्यवसायिक प्रतिष्ठान तबाह हो चुके हैं। हालात इस कदर खराब हैं कि अमेरिका की सरकार ने नेशनल गार्ड तैनात करने का फैसला किया है।

प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने का काम जारी है। आग अभी भी तेजी से फैल रही है और मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जताया है कि सांता एना हवाओं की वापसी हो सकती है, जिसके चलते आग और ज्यादा विकराल रूप ले सकती है।

आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं और हेलीकॉप्टर्स के द्वारा पानी गिराकर आग को बुझाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। हालांकि अभी भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

आग से लोगों के आशियाने तबाह हो गए हैं। अपनी आंखों के सामने अपने सपनों के महल को तबाह होते देख कई लोग रोते देखे गए।

प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने का काम जारी है। आग अभी भी तेजी से फैल रही है और मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जताया है कि सांता एना हवाओं की वापसी हो सकती है, जिसके चलते आग और ज्यादा विकराल रूप ले सकती है।

आग से अब तक पेरिस हिल्टन, बिली क्रिस्टल और एडम ब्रोडी जैसी हस्तियों के घर तबाह हो गए हैं। इनके अलावा भी कई अन्य मशहूर हस्तियों के घर आग से तबाह हुए हैं।

लॉस एंजलिस में लगी आग में अब तक 29 हजार एकड़ से ज्यादा बड़ा इलाका जलकर खाक हो चुका है। लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। कई हस्तियों के भी मकान आग में जलकर तबाह हो गए हैं। एक अनुमान है कि इस आग से करीब 50 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

सरकार विरोधी प्रदर्शन के बाद वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचोडा गिरफ्तार

काफिले पर गोलीबारी भी

कैरेकस । वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को गुरुवार को कराकस में सरकार विरोधी प्रदर्शन से बाहर निकलते वक्त सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया गया। खबर है कि मचाडो के मोटरसाइकिल काफिले पर गोलीबारी भी की गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो के द्वारा किया गया ये प्रदर्शन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बाहर करने के लिए किया गया था, जिसके लिए वे कई महीनों के बाद जनता के सामने आई थी।

बता दें कि यह विरोध प्रदर्शन मादुरो द्वारा तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने से एक दिन पहले हो रहा था, जिसको लेकर विपक्ष का दावा है कि मादुरो ने चुनाव में जीत हासिल नहीं की है। हालांकि, प्रदर्शन में अनुमान से बेहद कम लोग शामिल हुए क्योंकि मादुरो के सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को घेर लिया था। मचाडो की प्रेस टीम ने दी जानकारी मामले में मचाडो की प्रेस टीम ने सोशल मीडिया पर बताया कि सुरक्षा बलों ने पूर्वी कराकस में उनके काफिले को हिंसक तरीके से रोका।

यूक्रेन पर हमला करना रूस पर पड़ा भारी, जापान ने लगाए नए प्रतिबंध

टोक्यो । रूस-यूक्रेन युद्ध को करीब तीन साल होने जा रहे हैं। दोनों ही देश हथियार डालने को तैयार नहीं है। इस बीच, जापान ने कीव पर हमले के जवाब में मॉस्को पर नए प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। इसमें दर्जनों व्यक्तियों और समूहों की संपत्तियां फ्रीज करना तथा रूस और कई अन्य देशों के दर्जनों संगठनों को निर्यात पर प्रतिबंध लगाना शामिल है, जिन्होंने कथित तौर पर प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद की है।

पहले भी लगा चुके हैं कई प्रतिबंध

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशीमासा हयाशी ने कहा कि यह कदम जापान द्वारा जी7 देशों के साथ मिलकर रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों को लागू करने की कोशिश का हिस्सा है। जापान ने पहले भी रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और यह नया कदम प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा द्वारा दिसंबर में जी7 सम्मेलन में जापान की नीति की पुष्टि के एक महीने बाद उठाया गया है।

उन्होंने कहा, 'यह वैश्विक शांति प्राप्त करने और रूसी आक्रमण के कारण यूक्रेन के आसपास की समस्याओं को हल करने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय प्रयास के हिस्से के रूप में जापान का योगदान है।

' इन लोगों पर कार्रवाई जापान के विदेश, व्यापार और वित्त मंत्रालयों के संयुक्त बयान में कहा गया कि रूस के 11 व्यक्तियों, 29 संगठनों और तीन बैंकों के अलावा एक उत्तर कोरियाई और एक जॉर्जियाई बैंक, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद कर रहे थे, को भी संपत्ति फ्रीज सूची में जोड़ा गया है। वहीं, कैबिनेट ने प्रौद्योगिकी और मशीनरी निमार्ताओं सहित 22 रूसी सैन्य-संबंधित संगठनों पर कुल निर्यात प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दी।

23 जनवरी से यह सामान नहीं होगा निर्यात

इसके अलावा, 335 वस्तुओं की सूची तैयार की गई है, जिनका निर्यात 23 जनवरी से रूस में नहीं किया जाएगा। इनमें निर्माण वाहन इंजन, मोटरसाइकिल, संचार उपकरण, यांत्रिक उपकरण और वाल्व शामिल हैं। जापान ने 31 गैर-रूसी समूहों पर भी निर्यात प्रतिबंध लगाए जापान सरकार ने उन 31

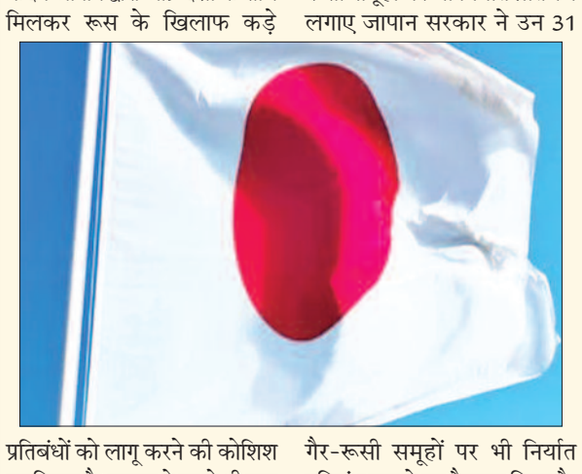

प्रतिबंधों को लागू करने की कोशिश का हिस्सा है। जापान ने पहले भी रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं और यह नया कदम प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा द्वारा दिसंबर में जी7 सम्मेलन में जापान की नीति की पुष्टि के एक महीने बाद उठाया गया है।

उन्होंने कहा, 'यह वैश्विक शांति प्राप्त करने और रूसी आक्रमण के कारण यूक्रेन के आसपास की समस्याओं को हल करने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय प्रयास के हिस्से के रूप में जापान का योगदान है।

' इन लोगों पर कार्रवाई जापान के विदेश, व्यापार और वित्त मंत्रालयों के संयुक्त बयान में कहा गया कि रूस के 11 व्यक्तियों, 29 संगठनों और तीन बैंकों के अलावा एक उत्तर कोरियाई और एक जॉर्जियाई बैंक, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद कर रहे थे, को भी संपत्ति फ्रीज सूची में जोड़ा गया है। वहीं, कैबिनेट ने प्रौद्योगिकी और मशीनरी निमार्ताओं सहित 22 रूसी सैन्य-संबंधित संगठनों पर कुल निर्यात प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दी।

23 जनवरी से यह सामान नहीं होगा निर्यात

इसके अलावा, 335 वस्तुओं की सूची तैयार की गई है, जिनका निर्यात 23 जनवरी से रूस में नहीं किया जाएगा। इनमें निर्माण वाहन इंजन, मोटरसाइकिल, संचार उपकरण, यांत्रिक उपकरण और वाल्व शामिल हैं। जापान ने 31 गैर-रूसी समूहों पर भी निर्यात प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है, जिनका आरोप है कि उन्होंने रूस को प्रतिबंधित वस्तुओं को चोरी-छिपे भेजने और प्रतिबंधों से बचने में मदद की।

इनमें 11 समूह हांगकांग, सात मुख्यभूमि चीन, आठ तुर्की, दो किर्गिस्तान और एक-एक थाईलैंड, यूएई और कजाखस्तान में स्थित हैं।

हयाशी ने कहा कि जापान ने रूस पर प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन का समर्थन करने में जी7 देशों के साथ मिलकर काम किया है, खासकर एशिया में युद्ध के बढ़ते प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, जहां चीन ने ताइवान पर अपने नियंत्रण को लागू करने के लिए बल का उपयोग करने की धमकी दी है।

सेना प्रमुख जोसेफ औन बने लेबनान के नए राष्ट्रपति लंबे समय से जारी राजनीतिक गतिरोध का होगा अंत

लेबनान की संसद ने गुरुवार को सेना प्रमुख जोसेफ औन को देश का नया राष्ट्रपति नियुक्त किया। इसी के साथ लंबे समय से जारी राजनीतिक गतिरोध और राष्ट्रपति पद की रिक्तता का भी अंत हुआ। दो दौर की वोटिंग के बाद औन को राष्ट्रपति चुना गया

बेरूत । अमेरिका और सऊदी अरब द्वारा समर्थन जुटाने के बाद और दो दौर की वोटिंग के बाद औन को राष्ट्रपति चन लिया गया। दोनों ही देशों के औन के साथ संबंध अच्छे हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने सेना प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया और नागरिक पोशाक में शपथ लेने के लिए संसद भवन पहुंचे।

औन ने की नए युग की शुरूआत

औन ने देश में जारी आर्थिक और राजनीतिक संकटों को दूर करने की कसम खाते हुए लेबनान के लिए एक नए युग की शुरूआत की घोषणा की। उन्होंने राज्य के अधिकार के तहत ₹हथियारों पर एकाधिकार₹ करने की एक दुर्लभ प्रतिज्ञा भी की, जिससे ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के उनके इरादे का संकेत मिला, जिसका लेबनान में महत्वपूर्ण सैन्य प्रभाव है।

गौरतलब है कि हिज्बुल्ला पश्चिम एशिया का सबसे बड़ा हथियारबंद समूह था और इसका कई देशों में अच्छा-खासा प्रभाव था। हालांकि, इस्राइल से हालिया संघर्ष के चलते हिज्बुल्ला को भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही सीरिया में संगठन के सहयोगी बशर अल-असद के भागने के बाद से लेबनान में इस संगठन से ताकत छीने जाने की बात जारी है। लेबनानी सेना सीधे तौर पर इस्राइल के साथ युद्ध में शामिल नहीं हैं। उन्होंने युद्धविराम की शर्तों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

औन ने कहा, ₹लेबनानी राज्य। मैं दोहराता हूं, लेबनानी राज्य। अब इस्राइल के कब्जे से छुटकारा पा लेगा। मेरे युग में लेबनान को इस्राइल के कब्जे से छुटकारा पाने के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम बनाने के लिए हमारी रक्षात्मक रणनीति की चर्चा शामिल होगी।₹

बता दें कि लेबनान में अक्तूबर 2022 से ही राष्ट्रपति का पद खाली था। दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति माइकल औन का कार्यकाल समाप्त हो चुका था। इसके बाद पिछले दो साल में नए राष्ट्रपति के चुनाव के प्रयास 12 बार विफल रहे। दूसरे दौर के मतदान में औन को 128 में 99 वोट मिले।

जल्द हो सकती है ट्रंप और पुतिन की बैठक रिपोर्ट्स पर रूसी सरकार ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

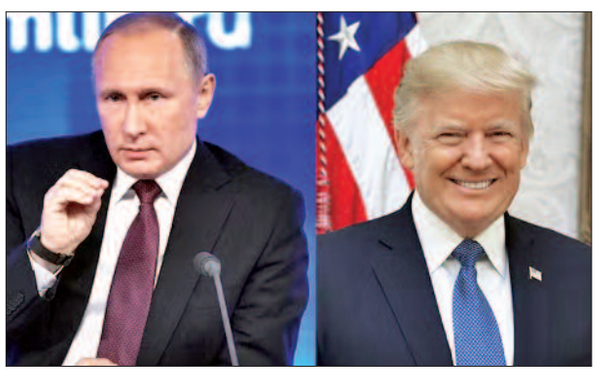

वॉशिंगटन । अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। इस बीच गुरुवार को उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि उनके और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मुलाकात की कोशिश की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि पुतिन से जल्द मुलाकात की बात कही, लेकिन उन्होंने इस संभावित मुलाकात की समयसीमा नहीं बताई। वहीं ट्रंप के बयान पर रूस की सरकार ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

रूसी सरकार ने रिपोर्ट्स पर दी ऐसी प्रतिक्रिया

रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से रूसी मीडिया ने कहा कि 'अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति होगी तो रूस और अमेरिका के बीच उच्च स्तरीय बैठक हो सकती है। बेशक राष्ट्रपति पुतिन इसका स्वागत करेंगे।' पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी कह चुके हैं कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप और पुतिन की मुलाकात अगले छह महीनों में हो सकती है। हालांकि अभी तक दोनों ही पक्षों की तरफ से इस बैठक का कोई प्रस्ताव नहीं है। बीते दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी साल की आखिरी पत्रकार वार्ता में कहा था कि वे अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं।

ट्रंप यूक्रेन युद्ध रुकवाने का कर चुके हैं वादा

राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध बंद कराने का वादा किया था। ट्रंप ने कहा था कि वे राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद 24 घंटे के भीतर रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे।

भारत से राजनीतिक-आर्थिक संबंधों की मजबूती चाहते हैं तालिबान के विदेश मंत्रालय का आया बयान

अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने भारत की तारीफ करते हुए अपना सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सहयोगी बताया है। यह भी कहा कि वह भारत की सुरक्षा चिंताओं पर पूरा ध्यान देगा

काबुल । तालिबान सरकार का यह बयान इसलिए अहम है, क्योंकि दो दशक पहले अफगानिस्तान में जब पहली बार तालिबान सत्ता में आए थे, तो भारत संग उनके संबंध बेहद खराब रहे थे।

अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से बुधवार को दुबई में हुई बैठक के बाद तालिबान सरकार के विदेश मंत्रालय ने यह बयान जारी किया। बयान में कहा है, मिस्री व मुत्तकी के बीच ईरान में चाबहार बंदरगाह के माध्यम से व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हुई। तालिबान ने कहा कि संतुलित और अर्थव्यवस्था-केंद्रित विदेश नीति के मद्देनजर अफगानिस्तान अहम सहयोगी के तौर पर भारत से राजनीतिक-आर्थिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है।

अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद भारत के साथ अब तक की सबसे शीर्ष स्तर की बातचीत में दोनों पक्षों ने व्यापार संबंधों के अलावा मानवीय सहायता व विकास परियोजनाओं में भारत की भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की। एक दिन पहले ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि भारत अफगानिस्तान में विकास परियोजनाओं में फिर से भागीदारी पर विचार कर रहा है। भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल रोकेगी यह दोस्ती

पाकिस्तान से तनावपूर्ण रिश्ते के बीच अफगानिस्तान की भारत से बढ़ती नजदीकी अहम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है, यह दोस्ती अफगानिस्तान की धरती का भारत के खिलाफ इस्तेमाल रोकने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। दोस्ती आर्थिक संकटों में घिरे पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ा सकती है।

चीन के साथ पाकिस्तान ने जो ग्वादर बंदरगाह विकसित किया है, उसके कारोबार का बड़ा हिस्सा ईरान के चाबहार बंदरगाह को मिलने की उम्मीद है। मिस्री व मुत्तकी ने चाबहार बंदरगाह से व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की है।

अफगान विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, मुत्तकी ने मानवीय मदद के लिए भारत का शुक्रिया अदा किया। भारत को यह भरोसा भी दिया कि अफगानिस्तान की ओर से उसे किसी तरह का कोई भय नहीं होना चाहिए। उन्होंने व्यापारियों, मरीजों व छात्रों को भारत से और ज्यादा वीजा मिलने की उम्मीद जताई। बैठक में वाणिज्य और परिवहन मंत्रालयों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस दौरान राजनीतिक, आर्थिक और नागरिक संपर्क बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

पाकिस्तानी मीडिया में छाई मिस्री-मुत्तकी की मुलाकात 3 पाकिस्तानी मीडिया ने भी भारत के संबंध में अफगान सरकार के बयान को खासी अहमियत दी है।

महापौर सुनीता दयाल ने 13 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

व्हाइट टॉपिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से पहली बार नगर निगम बनाएगा नई सड़क

गाजियाबाद करंट क्राइम। शुक्रवार को महापौर सुनीता दयाल ने शहर के कई वार्डों में नाले एवं सड़क निर्माण कार्यों के लगभग 13 करोड़ के कार्यों का शिलान्यास कर बड़ी सौगात दी है। जिन कार्यों का शिलान्यास किया गया है इन कार्यों में 6 करोड़ की लागत से वार्ड 64 में एयरफोर्स बाउंड्री से सिकंदरपुर गाँव होते हुए सिविल टर्मिनल रोड से बजीराबाद रोड तक आर सी सी द्वारा नाला निर्माण कार्य शामिल है।

लगभग 2 करोड़ 50 लाख की लागत से वार्ड 73 शालीमार गार्डन में गणेशपुरी पुलिया से सूर्योदय पब्लिक स्कूल तक नाले की साईट आर सी सी रिटर्निंग वॉल का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। वार्ड 15 विजय नगर में ड़ी ए वी चौक से मेडिकल तिराहे तक एवं डी ए वी चौक से बाबा अम्बेडकर पार्क बड़े नाले तक आर सी सी नाला निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 84 लाख है। वार्ड 28 मोहन नगर राजीव कॉलोनी में मोहन नगर मंदिर के सामने क्षतिग्रस्त नाले एवं मोहन नगर चौराहे पर अग्रवाल स्वीट्स से कटोरी मिल शौचालय तक आर सी सी नाला निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 1 करोड़ 50 लाख है। जीडीए फोर लेन से पाईप लाईन रोड तक आर सी सी सड़क निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 2 करोड़ 50 लाख है। यह आर सी सी की सड़क को नई टेक्नोलॉजी व्हाइट टॉपिंग के माध्यम से बनाया जाएगा जिसमे वेस्ट प्लास्टिक का प्रयोग भी किया जाएगा जिसके कारण आर सी सी की सड़क की उम्र लगभग 20 वर्ष तक कि होगी।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि वार्डों में इन निर्माण कार्यों की बहुत आवश्यकता थी। गणेशपुरी में तो खुला नाला कॉलोनी के बीच से निकलकर जाता है। जिससे किसी की जान भी जा सकती थी और ऐसे ही जीडीए फोर लेन की सड़क को लेकर गांव वासी बहुत समय से गुहार लगा रहे थे क्योंकि उस रास्ते ने नगर निगम की कूड़े की गाड़ियों भी जाती है इस लिए उस सड़क को व्हाइट टेपिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम सेओर मजबूती मिलेगी व सभी आने जाने वाले ग्राम वासियों को भी सहुलियत रहेगी। ऐसे ही सिविल टर्मिनल सिकन्दरपुर पर जल भराव की स्थिति होती थी व सिकंदरपुर गाँव मे भी जल भराव रहता था यहाँ नाला निर्माण होने से एयरपोर्ट एवं गाँव सिकंदरपुर को भी सहूलियत रहेगी।

इसी प्रकार शहर के सभी वार्डो में धीरे धीरे एक समान विकास के कार्य कराए जा रहे हैं जिसका लाभ वार्डो के चुनाव में सभी मा.पार्षदो को भी मिलेगा। इस दौरान पार्षद पूनम सिंह, पार्षद राजीव भाटी, पार्षद सुधीर कुमार, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मान सिंह गोस्वामी, मण्डल अध्यक्ष भूषण सिंह चौहान, मण्डल अध्यक्ष हेमराज माहौर, पूर्व पार्षद तेजपाल राणा, पूर्वांचल समिति के अध्यक्ष अनिल सिंह, आर के आर्या, गुरुदास पाल, आर डब्लू अध्यक्ष रायराम,दिनेश मित्तल,सुरेश तिवारी,के पी जादोंन, राजेन्द्र सिंह एवं नगर निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनहित में विकास कार्य करना हमारा कर्तव्य:महापौर

महापौर सुनीता दयाल ने वार्ड 73 में आरसीसी नाले के निर्माण का किया उद्घाटन

साहिबाबाद करंट क्राइम। वार्ड 73 के पार्षद राजीव भाटी के निरंतर प्रयास से शुक्रवार को गणेश पुरी और शहीद नगर के में आरसीसी के नाले के निर्माण कार्य का उद्घाटन महापौर सुनीता दयाल ने किया। इस नाले में 17 वार्डो का पानी निरंतर चलता रहता है। इस नाले की दीवार श्रतिग्रस्त होने की वजह से नाले में लोग और पशु भी काफी गिर रहे थे। इस नाले के निर्माण से यहां के लोगों के जीवन में सुधार होगा। इस मौके पर ब्लॉक-बी के कोषाध्यक्ष निलेश मित्तल, पार्षद प्रतिनिधि युग गुर्जर, ब्लॉक-बी अध्यक्ष साईराम, सुनील भाटी, अशोक यादव, गुरदास पाल,

राजपूत, गोविल, रोज खान, निट्टे, सुरेश तिवारी, रामबीर शर्मा, राजू भट्ट, हर्ष पंडित, आदित्य सिन्हा, अंकित राजपूत, निक्की शर्मा, अन्नू पाल, दीपक नारायण, मुकेश पाल, यूनुस खान, धर्मबीर, सरदाराम भाटी, बाबूराम, छोटे लाल तिवारी, राधे श्याम, पप्पू खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निगम की नई पहल: हिंडन शमशान घाट पर लगेंगे कम धुएं वाले उच्च तकनीकी दाह संस्कार संयंत्र

लकड़ियों की खपत होगी कम पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा -नगर आयुक्त

हिंदू धर्म को ध्यान में रखते हुए स्थापित होंगे तीन आधुनिक दाह संस्कार संयंत्र, सभी क्रियाएं हो सकेंगी पूर्ण

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा हिंडन नदी के समीप स्थित श्मशान घाट के जीर्णोद्धार करने तथा कम धुआं देने वाले आधुनिक दाह संस्कार संयंत्र स्थापित करने का कार्य जनवरी में प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस कार्य के लिए नरेंद्र कुमार चौधरी, मुख्य अभियंता निर्माण व अन्य टीम द्वारा बनायी गई कार्य योजना का प्रोजेक्ट डेमो नगर आयुक्त द्वारा देखा गया।

नगर आयुक्त ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। शमशान घाट पर 40 से अधिक प्लेटफॉर्म बने हुए हैं जिनमें एक बार में 400 से 500 क्विंटल लकड़ियों के माध्यम से अंतिम संस्कार की कार्यवाही की जाती है जिसमें कुछ सुधार करते हुए गाजियाबाद नगर निगम तीन आधुनिक तकनीकी के दाह संस्कार संयंत्र लगाएगा। इनके माध्यम से हिंदू धर्म की सभी क्रियाएं भी पूर्ण रूप से हो सकेंगे। दाह संस्कार के समय लकड़ी की कम खपत होगी तथा धुआ भी कम होगा। दो संयंत्र सीएनजी के होंगे तथा एक गाय के गोबर की लकड़ी का होगा, जिनको वास्तु को ध्यान में रखते हुए स्थापित किया जाएगा। गाय के गोबर की बनी लकड़ी के साथ-साथ केवल 100 क्विंटल लकड़ी ही इस्तेमाल की आवश्यकता रहेगी।

मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि शमशान घाट पर अन्य प्लेटफार्म की भी मरम्मत का कार्य किया जाएगा। साथ ही ग्रीनरी को बढ़ाया जाएगा और अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले आगंतुकों की बैठने के लिए उचित व्यवस्था भी की जाएगी। इस हेतु हाल भी बनाया जाएगा। लगभग साढे तीन करोड़ की लागत से यह कार्य कराया जाएगा। सभी प्लानिंग पूर्ण कर ली गई है, जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया है। पांच माह की भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए योजना बनाई गई है। इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव तथा निर्माण विभाग से अधिशासी अभियंता निर्माण एसपी मिश्रा भी उपस्थित रहे।

आयुष्मान योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए

गाजियाबाद करंट क्राइम। शुक्रवार को दिल्ली गेट स्थित अतुल गर्ग जनसंपर्क केंद्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 और 70 वर्ष से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के फराज खान पीयर एजूकेटर द्वारा लगभग 25 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। राजेन्द्र कुमार मित्तल (मेदी वाले) प्रतिनिधि संसद अतुल गर्ग के नेतृत्व में ये कार्यक्रम हुआ जिसमें संजीव मित्तल दिल्ली गेट व्यापार मंडल अध्यक्ष का सहयोग रहा। आयुष्मान कार्ड बनवाने वाले लाभार्थियों में कृष्ण कुमार मित्तल, उमेश मित्तल, विजेन्द्र सिंघल, शकुंतला देवी, कृष्ण अवतार, कृष्ण गर्ग, ज्ञानेश गर्ग, रमेश जैन, रविन्द्र कुमार मित्तल आदि लाभार्थियों के काड्र्स बनाए गए।

पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान हेतु जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान हेतु एरिया डेवेलपमेन्ट प्लानिंग तथा जिला/स्थानीय स्तर की भूमिका तथा आपेक्षित उद्देश्य की प्राप्ति हेतु जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में एक कार्यशाला का आयोजन इन्वेस्ट यूपी एवं रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर उ0प्र0 के अधिकारियों के साथ किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा किया गया। तत्पश्चात रमेश कुमार वर्मा, उप सचिव, डी0पी0आई0आई0टी0 द्वारा पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की विस्तृत जानकारी दी गई। डा0 पुष्पेन्द्र यादव, वैज्ञानिक आर0एस0सी0यू0पी0 द्वारा जिला स्तरीय ढॉचे तथा उसके तकनीकी पहलुओं पर लाइव प्रदर्शन भी किया गया। विजय कुमार टी0एस0यू0 टीम इन्वेस्ट यूपी द्वारा पीएम गतिशक्ति राज्य मास्टर प्लान की प्रगति पर प्रस्तुतिकरण किया गया।

अन्त में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने समापन करते हुए उद्बोधन किया गया। कार्यक्रम में श्रीनाथ पासवान, उपायुक्त उद्योग के साथ जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था उपस्थित रहे।

परमार्थ सेवा ट्रस्ट ने दुहाई वृद्ध आश्रम के वृद्धजनों को दिखाई फिल्म वनवास, नहीं रूके वद्धों के आंसू

गाजियाबाद करंट क्राइम। जीटी रोड स्थित सिल्वर सिटी सिनेमा हॉल में दुहाई स्थित वृद्ध आश्रम में रहने वाले व अपने ही बच्चों द्वारा घरों से निकाले गए सैकड़ों महिला व पुरुषों को परमार्थ सेवा ट्रस्ट के द्वारा सामाजिक तानेबाने पर बनी फिल्म वनवास दिखाई गई। फिल्म में अनेक दृश्यों में मार्मिक सीन देखकर पूरे हॉल में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा हो जिसकी आंखों से आंसू ना निकले हों। परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वीके अग्रवाल ने बताया कि फिल्म के अंदर सबसे अच्छा अभिनय नाना पाटेकर का था जिनके बच्चों द्वारा उनके मकान व संपत्ति को हड़पने की गरज से, उन्हें बनारस घुमाने के लिए ले जाया गया और तीनों बहू बेटे उन्हें नाच गाने में मस्त करके अकेला छोड़कर चले आए तथा अपने पिता की जेब में से सभी पहचान पत्र तथा याददाश्त कायम रखने की दवाई निकाल लाए। पिता नाना पाटेकर की याददाश्त कमजोर है जिसको बनाए रखने के लिए वह गोली खाते थे, उनके परिवार जनों द्वारा उनकी वह याददाश्त की गोली दवाई भी निकाल कर ले आए ताकि उनकी इनकी कभी मेमोरी वापस ना आए तथा उनके मकान को भी उनके परिवार बहू बेटा द्वारा बेच दिया गया। वापस आकर लोगों को बताया कि पिताजी नहाते वक्त गंगा जी में डूब गए। इतना ही नहीं उनका झूठा मृत्यु सर्टिफिकेट बनवाकर मकान भी बेच दिया। वहीं बनारस के रहने वाले कुछ लोगों ने बहुत मेहनत करके ढूंढते-ढूंढते उनको शिमला में मकान तक ले गए जिसे बेटे बहु अपने पिता की मौत का झूठा सर्टिफिकेट बनवाकर बेच चुके थे। इस तरह फिल्म बहुत ही मार्मिक दृश्यों से भरी हुई थी। परमार्थ सेवा ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डॉ. बी के शर्मा हनुमान भी अपने आंसू नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा कि आज वक्त की जरूरत है कि अपने बच्चों को यह फिल्म जरूर दिखानी चाहिए जिन वृद्ध आश्रम के वृद्धजनों ने यह फिल्म देखी थी क्योंकि यह उन सभी के जीवन का पास्ट था वह पूरी फिल्म में आंसू बहाते रहे। परमार्थ सेवा ट्रस्ट द्वारा सिल्वर सिटी के अध्यक्ष वेद प्रकाश गोयल का पुष्प हार पहनकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर लौकेश सिंघल, हेमंत कंसल, अजय अग्रवाल, श्याम सुंदर गुप्ता, एडवोकेट अनूप मिश्रा, शिव कुमार शर्मा, अरुण त्यागी, संजय अग्रवाल, सुनील सिसोदिया, डीके मित्तल, यूएस गर्ग, वी सिंघल, स्नेह लता सिंघल, लवकेश अग्रवाल, इंद्रेश कुलश्रेष्ठ, डॉक्टर हरीश शर्मा, जितेंद्र भटनागर, शशि प्रभा, कल्पना कंसल, किरण शर्मा, प्रदीप गुप्ता आदि मौजूद थे, सभी ने फिल्म को सराहा।

विभाजन पीड़ित सनातनी संघर्ष समिती की बैठक आयोजित

हिन्दुओं की छूटी हुई संपत्ति की भरपाई वक्फ बोर्ड की संपत्ति देकर करें न्याय

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शुक्रवार को विभाजन पीड़ित सनातनी संघर्ष समिती की बैठक का आयोजन सुख सागर फॉर्म हाउस के सभागार में हुआ। इस बैठक में सन 1947 के विभाजन काल में विस्थापित हिदुओं के संदर्भ में चर्चा हुई। वर्तमान के पाकिस्तान में छूटी हिंदुओं की संपत्ति व उनके मूल स्वामी एवं उनके उत्तराधिकारी कौन हैं इस पर चर्चा हुई। इस संदर्भ में अधिवक्ता विनय कक्कड़ ने बताया कि 1947 के विभाजन के समय हिन्दुओं को अपनी सभी चल अचल संपत्ति वर्तमान के पाकिस्तान में छोड़ कर आनी पड़ी जिससे पूरे सनातन समाज को क्षति झेलनी पड़ी।

जबकि पाकिस्तान गए मुस्लिमों ने वर्ष 1950 तक पाकिस्तान से वापिस आकर अपनी जमीनों से लेकर अन्य चल अचल को बेचा और नुकसान की भरपाई की क्योंकि तत्कालीन भारत सरकार ने पाकिस्तान गए मुस्लिमों को यह सुविधा दी थी। लेकिन पाकिस्तान की तरफ से ऐसी कोई कोशिश कभी नहीं की गई। इसके अलावा तत्कालीन वक्फ बोर्ड ने विभाजित भारत की ही कई अचल संपत्तियों को

मनमाने तरीके से बिना किसी वजह के ही अपना मालिकाना हक जता कब्जा लीं। इसलिए वर्तमान वक्फ बोर्ड की सभी सपत्तियों में उन सभी सनातनी समुदाय को अधिकार मिलना चाहिए जो वर्तमान पाकिस्तान से अपना सबकुछ छोड़ भारत में आए। ऐसे हिन्दू परिवारों व उनके उतराधिकारियों को 1947 में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति भारत के वर्तमान वक्फ बोर्ड की संपत्तियों से होनी चाहिए। इस अवसर पर महेश आहूजा, एडवोकेट विनय कक्कड़, गुरी जनमेजा, गुलशन भांबरी, सतीश चोपड़ा, अजय गंभीर, राजकुमार मल्होत्रा, नरेश ढींगरा, अनिल अरोड़ा, संजीव अग्रवाल, आर के गोयल, आशा चौधरी, सौरभ सब्बरवाल एवं विनय कक्कड़ आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आवास विकास परिषद ने एक साल में कराई 1000 करोड़ की जमीन कब्जा मुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली से सटी आवास एवं विकास परिषद की वसुंधरा योजना में अभी भी 1500 करोड़ की जमीन पर अवैध कब्जे हैं। परिषद ने एक साल के दौरान 1000 करोड़ रुपये की जमीन कब्जा मुक्त कराई है, जबकि इससे डेढ़ गुनी जमीन पर अभी भी अवैध कब्जे बने हुए हैं। वसुंधरा योजना के खाली पड़े भूखंडों पर झुग्गियों की भरमार है। इन झुग्गियों में टीवी, फ्रीज और एसी तक चल रहे हैं, कूलर, पंखे और लाइट का तो कहना ही क्या है। इससे साफ है कि झुग्गियों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी भी हो रही है।

नवंबर, 2023 में चिन्हित हुए थे कब्जे

आवास एवं विकास परिषद ने नवंबर, 2023 में वसुंधरा योजना में खाली पड़े भूखंडों पर कब्जे को लेकर एक सर्वे कराया था। सर्वे के दौरान ढाई हजार करोड़ रुपये की जमीन पर अवैध कब्जे की जानकारी सामने आई थी। परिषद ने विभिन्न सेक्टरों में अवैध कब्जों से अपनी जमीन मुक्त कराने के रोस्टर बनाया, कब्जा मुक्त कराने के लिए योजना बनाई और उस पर काम भी किया लेकिन एक साल के दौरान केवल 1000 करोड़ की ही जमीन कब्जा मुक्त हो पाई।

बाउंड्री कराने को मिला 50 लाख का बजट

आवास एवं विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता एके मित्तल ने बताया कि 1000 करोड़ रुपये की जमीन कब्जा मुक्त कराई जा चुकी है, बाकी भूखंडों को भी जल्द ही कब्जा मुक्त कराया जाएगा। दोबारा से इन भूखंडों पर कब्जे न हों, इसके लिए बाउंड्री कराने की योजना है। खाली पड़े भूखंडों की चाहरदीवारी के लिए मुख्यालय से 50 लाख का बजट मांगा गया था, मुख्यालय ने बजट मंजूर कर दिया है। मार्च तक सभी भूखंडों को खाली कराकर चाहरदीवारी का काम शुरू कराया जाएगा।

चिन्टू जी

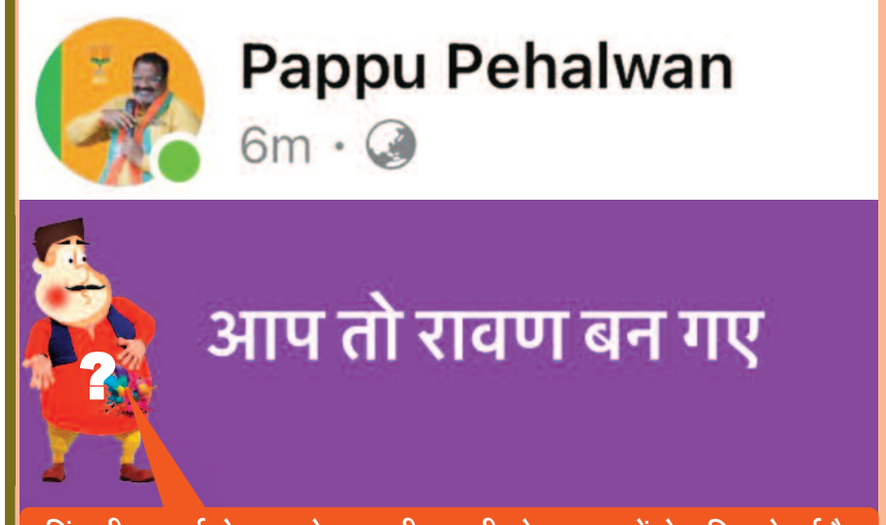

चिंटू जी : बधाई हो भगवा रेसलर की, उनकी जोरदार शब्दों से वापिस हो गई है, वैसे पप्पू भैया बताओगे वो कौन शख्स है जो रावण बन गया। अभी तो रामलीला शुरू होने में काफी वक्त बाकी है। वैसे रावण का पर्यायवाची दशानन भी होता है ना?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता राजू पांचाल के लिए ये सर्वाधिक आनंद ओर सुख का पल है। जब उनका लाडला पौत्र युग अपने दादा राजू पांचाल की गोद में अपना प्रथम जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहा है। पूरा परिवार हो दादा पोते का प्यार हो इस से सुखद खुशहाल क्या होता है। इन सुखद खुशहाल पलो को राजू पांचाल ने फेसबुक पर साझा किया। हांगकांग से खुशियों को साझा करती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।